दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K&K RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-09 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) गुरूवार 12 फरवरी 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

हम सोनम वांगचुक को रिहा नहीं कर सकते

- केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा- वह पूरी तरह फिट हैं

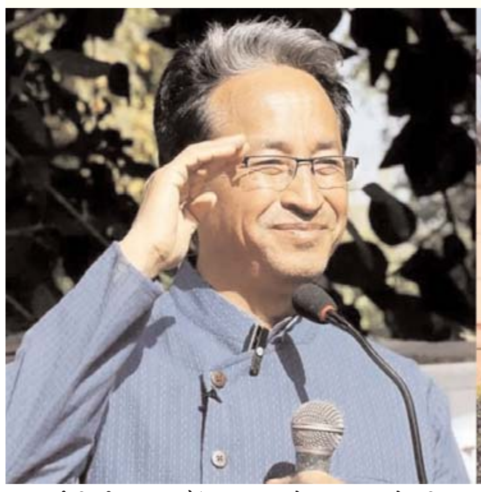

नई दिल्ली (ए)। केंद्र सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि वह लद्दाख के क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को रिहा नहीं कर सकती। वांगचुक को पिछले साल लेह में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के सिलसिले में नेशनल सिक्योरिटी एक्ट के तहत अधिकारियों ने हिरासत में लिया था। इस हिंसक प्रदर्शन में चार लोग मारे गए थे और 150 से ज़्यादा लोग घायल हुए थे।भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस पीबी वराले की बेंच के सामने यह बात कही। यह बात सुप्रीम कोर्ट के पहले के सवाल के जवाब में कही गई थी। जिसमें अधिकारियों से वांगचुक की बिगड़ती सेहत को देखते हुए मेडिकल आधार पर उनकी रिहाई पर विचार करने को कहा गया था। एसजी मेहता ने कहा कि जेल मैनुअल के हिसाब से उनकी समय-समय पर करीब 24 बार जांच की गई है। वह पूरी तरह फिट हैं। उन्हें पाचन की समस्या थी, इन्फेक्शन था। मेहता ने कहा कि अगर हम (उन्हें रिहा करने के लिए) ऐसे अपवाद बनाना शुरू करते हैं, तो इसका कोई अच्छा नतीजा नहीं निकलेगा। जिन आधारों पर हिरासत का आदेश दिया गया था, वे जारी रहेंगे। सेहत के आधार पर उन्हें रिहा करना मुमकिन नहीं होगा। यह शायद ठीक भी न हो। चूंकि यह आपके आदेश पर आया है, इसलिए हमने इस पर बहुत विचार किया है। वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो की अपने पति की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई जारी है। केंद्र सरकार के तहत अधिकारियों द्वारा वांगचुक की हिरासत का बचाव करते हुए दलीलें दे रही हैं।

अमेरिका ने लिया यू-टर्न, पाक अधिकृत कश्मीर और अक्साई चिन को भारत में दिखाने वाला नक्शा हटाया

नईदिल्ली,(आरएनएस)। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने एक बेहद आश्चर्यजनक तरीके से एक पोस्ट को सोशल मीडिया से हटा दिया है, जो भारतीय नक्शे से जुड़ा था। कुछ दिन पहले अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने एक्स पर अमेरिका-भारत व्यापार समझौते के बाद भारतीय नक्शा साझा किया था, जिसमें पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) और अक्साई चिन समेत पूरे जम्मू-कश्मीर को भारतीय क्षेत्र के रूप में दर्शाया गया था। अब नक्शे वाली ये पोस्ट एक्स से डिलीट कर दी गई है।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ने यह पोस्ट 7 फरवरी को साझा की थी, जो नई दिल्ली और वाशिंगटन द्वारा द्विपक्षीय व्यापार समझौते के विवरण की घोषणा के तुरंत बाद था। इसमें अमेरिका के लिए भारत के बाजार को चारों तरफ से खुला दिखाया गया था और लिखा था, सूखे मेवे और अनाज से लेकर लाल ज्वार और ताज़े और प्रोसेस्ड फलों तक, अमेरिका-भारत समझौते से अमेरिकी उत्पाद के लिए नया मार्केट प्रवेश मिलेगा।

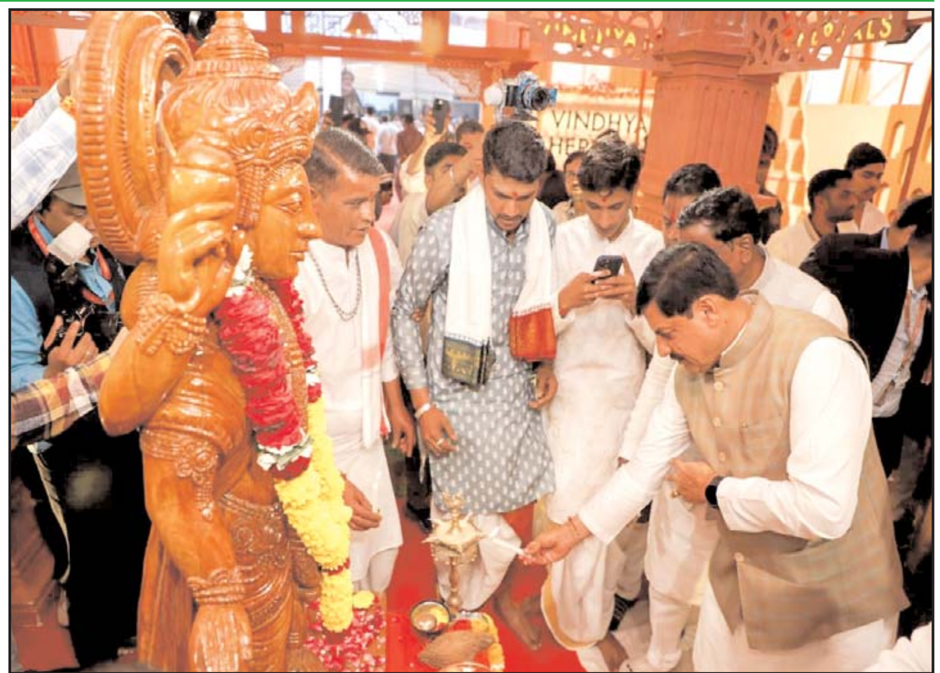

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में वन मेले का शुभारंभ किया

तीन अलग-अलग हादसों में यूपी में 6 लोगों की मौत, क्षेत्र में शोक का माहौल

लखनऊ (आरएनएस)। राजधानी लखनऊ में रहीमाबाद थाना क्षेत्र में बुधवार को हुई एक दर्दनाक रेल दुर्घटना में दो युवतियों की जान चली गई। दोनों युवतियां ट्रेन की चपेट में आकर मारी गईं। मृतकों की पहचान नीतू (23) और शशी (20) के रूप में हुई। दोनों युवतियां मनकौटी गांव की निवासी थीं और घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।नेवढ़िया थाना क्षेत्र में मंगलवार रात एक दिल दहला देने वाली दुर्घटना में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई।

मप्र विधानसभा का बजट सत्र हंगामेदार होने के आसार

कांग्रेस करेगी तीन मंत्रियों का बहिष्कार

भोपाल (ए.)। 16 फरवरी से प्रारंभ हो रहा मध्य प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र हंगामेदार होने के पूरे आसार हैं। कांग्रेस ने तय किया है कि वह प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और विजय शाह का बहिष्कार करेगी। विधानसभा में इन्हें न बोलने दिया जाएगा और न ही इनकी बात सुनी जाएगी। कांग्रेस ने छिंदवाड़ा, बैतूल और पांढुर्णा में जहरीले कफ सीरप कोल्ड्रिफ के कारण 25 बच्चों की मौत, इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित जल से 35 लोगों की मौत के साथ सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर अशालीन टिप्पणी का मुद्दा उठाने की जोरदार तैयारी की है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का आरोप है कि

कोल्ड्रिफ के कारण बच्चों की मौत हुई थी, लेकिन स्वास्थ्य मंत्रालय देख रहे उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसी तरह इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित जल से 35 लोगों की मौत हो गई और नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय पद पर बने हुए हैं। कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर अशालीन टिप्पणी करने वाले जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह पर भी सरकार कार्रवाई नहीं कर रही है।

थाईलैंड में डे-केयर सेंटर में गोलीबारी, 22 बच्चों समेत 34 की मौत

-हमलावर पूर्व पुलिस अधिकारी बताया जा रहा

बैंकॉक,(ए)। थाईलैंड से एक बेहद दुखद और झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। दक्षिणी थाईलैंड में एक डे-केयर सेंटर में अंधाधुंध फायरिंग की घटना में 22 बच्चों समेत कुल 34 लोगों की मौत हो गई। घटना के पीछे एक पूर्व पुलिस अधिकारी का हाथ बताया जा रहा है, जिसने कथित तौर पर डे-केयर सेंटर में घुसकर इस वारदात को अंजाम दिया। मीडिया रिपोर्ट्स से प्राप्त प्रारंभिक जानकारी अनुसार, हमलावर ने पहले बच्चों और शिक्षकों को बंधक बनाया और उसके बाद गोलीबारी शुरू कर दी। मृतकों में बड़ी संख्या में मासूम बच्चे शामिल हैं, जिससे पूरे देश में शोक और आक्रोश का माहौल है। हालांकि स्थानीय प्रशासन की ओर से अब तक आधिकारिक रूप से मृतकों की कुल संख्या की पुष्टि नहीं की गई है। इसी बीच, दक्षिणी थाईलैंड के हाट याई क्षेत्र से भी गोलीबारी की एक अलग घटना की खबर है। बताया जा रहा है कि वहां एक 18 वर्षीय युवक ने एक स्कूल परिसर में फायरिंग की, जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत पर नजर रखी जा रही है।सोंगखला प्रांत के स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, एक स्कूल में बंदूकधारी द्वारा छात्रों और शिक्षकों को बंधक बनाए जाने की सूचना के बाद पुलिस ने इलाके को चारों ओर से घेर लिया। सुरक्षा बलों ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अभियान शुरू किया। इसी दौरान गोलीबारी की घटना सामने आई। घटना के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पुलिस हमलावर की पृष्ठभूमि, हथियार के स्रोत और घटना के पीछे के संभावित कारणों की जांच कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या दोनों घटनाओं के बीच कोई संबंध है या वे अलग-अलग वारदातें हैं।इस दर्दनाक घटना ने थाईलैंड में स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सरकार की ओर से जल्द आधिकारिक बयान जारी किए जाने की संभावना है।

राहुल गांधी लोकसभा में बोले-अमेरिका से व्यापार समझौते में सरकार ने देश बेच दिया

नईदिल्ली, (आरएनएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सदन को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते और एपस्टीन फाइल्स को लेकर सरकार को घेरा। राहुल ने कहा, अमेरिका की नजर भारत के लोगों के डेटा पर है। अगर अमेरिका को सुपरपावर बने रहना हैं तो इसकी चाबी भारतीय डेटा ही है। राहुल ने दावा किया कि अमेरिका से व्यापार समझौता दबाव में किया गया है और भारत अमेरिका की बात नहीं मानेगा तो फिर से टैरिफ बढ़ा देगा।

राहुल ने कहा, एआई से एक खतरनाक दुनिया दिख रही है। देश के 140 करोड़ लोगों के सामने नई चुनौती है। डॉलर हथियार की तरह इस्तेमाल हो रहा है। बजट में इन जरूरी चीजों के लिए कोई प्रावधान नहीं है। बजट में डेटा से जुड़ा कुछ भी नहीं। डेटा महत्वपूर्ण है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हम मोलभाव करते तो पहली बार डेटा पर होती। हम कहते कि अगर आप डॉलर बचाना चाहते हैं, तो हमारे हित सबसे ऊपर हैं।

राहुल ने कहा, बांग्लादेश अगर टेक्सटाइल्स उत्पाद निर्यात करता है, तो उस पर जीरो टैरिफ है। हमारा टेक्सटाइल्स उद्योग गया। अमेरिकी निर्यात बढ़ा, हमें क्या मिला। ट्रंप ने टैरिफ बढ़ा दिया। अब क्या अमेरिका तय करेगा कि हम कहां से तेल खरीदें? ऐसा किसी प्रधानमंत्री ने नहीं किया। अमेरिका अगर यह कह रहा है कि आप यहां से तेल नहीं खरीद सकते, इसका मतलब है कि ऊर्जा क्षेत्र का हथियारीकरण हो रहा है।

अगर हमारी सरकार होती और हम ट्रंप से बात करते को कहते कि बात बराबरी पर होगी, हम आपके नौकर नहीं है। सरकार ने अमेरिका के सामने पूरी तरह आत्मसमर्पण कर दिया है, ये 140 करोड़ भारतीयों का भी आत्मसमर्पण है। सरकार को भारत माता को बेचने में शर्म नहीं आई? मैं जानता हूं कि प्रधानमंत्री ने भारत को क्यों बेचा? क्योंकि ट्रंप उनका गला दबा रहे हैं। हम अस्थिरता की दुनिया में जी रहे हैं।

राहुल ने कहा, प्रधानमंत्री की आंखों में डर दिखता है। इसके 2 कारण हैं- एक एपस्टीन। सरकार की डिफेंस चोक है इसकी वजह हैं मिस्टर अडाणी। अडाणी एक साधारण कारोबारी नहीं हैं। उनकी कंपनी पर अमेरिका में मामला दर्ज है। इसका लक्ष्य प्रधानमंत्री हैं। अनिल अंबानी जेल क्यों नहीं गए? क्योंकि उनका नाम एपस्टीन फाइल्स में है। मैं हरदीप पुरी से भी पूछना चाहता हूं। मैं जानता हूं कि अनिल को एपस्टीन से किसने मिलवाया और हरदीप भी जानते हैं।

हरदीप पुरी ने एपस्टीन फाइल्स पर कहा- शांति प्रतिनिधिमंडल के दौरान 3-4 बार मुलाकात हुई

नई दिल्ली, (आरएनएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को संसद में भाषण के दौरान एपस्टीन फाइल्स में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का जिक्र किया, जिसके बाद पुरी ने जवाब दिया है। पुरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अमेरिका के यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन की एपस्टीन फाइल्स अपराधों के बारे में है, जबकि उनका इससे कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि उनकी मुलाकात एपस्टीन से अंतरराष्ट्रीय शांति संस्थान (आईपीआई) के प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में हुई थी।

पुरी ने आरोपों पर कहा, सभी चीजें सार्वजनिक हैं। 30 लाख ईमेल जारी हैं, जिसमें मैं न्यूयॉर्क में 8 साल रहा हूं। वर्ष 2009 में राजदूत बनने के बाद 2017 में मंत्री बनने तक। इस दौरान मेरी 3-4 मुलाकात ही हुई है। राजदूत पद से सेवानिवृत्ति के कुछ महीने बाद मुझे आईपीआई में शामिल होने का न्यौता मिला था। हालांकि, मैं आईपीआई का हिस्सा नहीं था बल्कि एक स्वतंत्र समिति का हिस्सा था, जो आईपीआई के प्रोजेक्ट का हिस्सा था।

कोई भी कॉपी नहीं छपी', नरवणे की किताब को लेकर मचे बवाल के बीच पेंगुइन पब्लिकेशन की सफाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। पूर्व आर्मी चीफ जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित किताब को लेकर इन दिनों राजनीतिक और कानूनी विवाद गहराता जा रहा है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा संसद में जिस किताब के कथित अंशों का हवाला देकर आरोप लगाए गए, अब उस किताब के पब्लिशर पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया का आधिकारिक बयान सामने आया है।

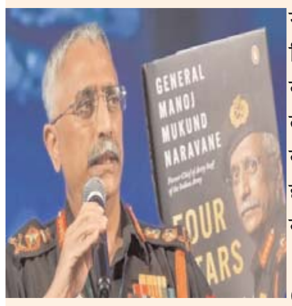

पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया (PRHI) ने स्पष्ट किया कि पूर्व आर्मी चीफ जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की आत्मकथा 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' के एक्सक्लूसिव पब्लिशिंग राइट्स सिर्फ उसी के पास हैं और यह किताब अभी तक प्रकाशित नहीं हुई है। पब्लिशर के मुताबिक, किताब की कोई भी प्रति जनता के लिए जारी नहीं की गई है।' पब्लिशिंग हाउस की यह सफाई ऐसे समय पर आई है, जब दिल्ली पुलिस ने किताब की मैन्युस्क्रिप्ट के डिजिटल और अन्य फॉर्मेट में कथित तौर पर गैरकानूनी सर्कुलेशन को लेकर एफआईआर दर्ज की है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, मामले की जांच के लिए स्पेशल सेल में केस दर्ज किया गया है और जांच प्रक्रिया शुरू की जा रही है। अपने बयान में पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने कहा कि कंपनी ने अब तक किताब की कोई भी कॉपी, चाहे वह प्रिंट हो या डिजिटल, न तो पब्लिश की है।

पश्चिमी विक्षोभ से फिर बिगड़ेगा मौसम, तेज हवाओं के साथ बारिश-बर्फबारी की चेतावनी

नईदिल्ली (आरएनएस)। फरवरी के दूसरे सप्ताह में ही कई राज्यों में मार्च जैसी गर्मी का अहसास होने लगा है। हालांकि, सुबह-शाम के वक्त के ठंड का असर बरकरार है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, 13 और 16-17 फरवरी के दौरान 3 पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय रहेंगे। इनके प्रभाव से जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड सहित 6 राज्यों में बर्फबारी और बारिश की संभावना है। इस दौरान कुछ इलाकों में बिजली गिरने और 30-40 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है। उत्तर प्रदेश में आज सुबह कुछ जगह हल्का कोहरा रह सकता है और न्यूनतम तापमान 5-10 डिग्री के बीच रहने की संभावना है। अगले 3 दिनों में तापमान 2-3 डिग्री तक बढ़ने के आसार हैं। राजस्थान के कुछ शहरों में तापमान 30 डिग्री के पार चला गया है, वहीं बिहार में रात के तापमान में वृद्धि हुई है। पश्चिमी विक्षोभ के असर से 16 फरवरी को पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में तेज हवा के साथ बारिश होने का अनुमान है। दिल्ली एनसीआर में मौसम में तेजी से बदल रहा है। हवा की रफ्तार 40 किमी/घंटा से घटकर 17 किमी/घंटा रह जाने से धूप की तपिश तेज हो गई है। इस कारण दिन के वक्त धूप चुभने लगी है। राजधानी में बुधवार को सुबह हल्की धुंध और आंशिक बादल छाए नजर आएंगे।

दिल्ली में एक और हादसा, अब रोहिणी में खुले मैनहोल में गिरने से युवक की मौत

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में विभागीय लापरवाही से हादसों का सिलसिला जारी है। नोएडा और जनकपुरी के बाद रोहिणी में भी एक युवक की खुले मैनहोल में गिरने से मौत हो गई है। हादसा बेगमपुर थाना क्षेत्र के रोहिणी सेक्टर-32 में महाशक्ति काली मंदिर के पास हुआ है। मृतक बिहार के समस्तीपुर निवासी बिरजू कुमार बताया जा रहा है, जो मजदूरी का काम करता था। घटना ने एक बार फिर लापरवाही को उजागर किया है। बताया जा रहा है कि बिरजू अपने दोस्त के साथ मजदूरी करके मंगलवार देर शाम को लौट रहा था। घटना के समय दोनों नशे की हालत में थे। तभी बिरजू खुले का संतुलन बिगड़ गया और वह मैनहोल में गिर गया। हालांकि, इसका पता उसके दोस्त को काफी देर बाद चला और उसने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मैनहोल के पास चप्पल की पहचान से युवक की पहचान हुई।

महाशिवरात्रि पर भोजपुर में होगा तीन दिवसीय 'महादेव-भोजपुर महोत्सव'

भोपाल, (निप्र.)। महाशिवरात्रि के पावन पर्व के अवसर पर संस्कृति विभाग, मध्य प्रदेश शासन द्वारा शिव-साधना, लोकआस्था एवं कला-सौंदर्य के समन्वित उत्सव के रूप में ऐतिहासिक भोजपुर शिव मंदिर प्रांगण में तीन दिवसीय 'महादेव भोजपुर महोत्सव' का आयोजन 15 से 17 फरवरी तक प्रतिदिन सायं 6.30 बजे से किया जाएगा। संस्कृति संचालक एनपी नामदेव ने बुधवार को बताया कि जिला प्रशासन रायसेन के सहयोग से आयोजित यह महोत्सव शिव-शक्ति, लोकपरंपरा और सांस्कृतिक चेतना का भव्य उत्सव होगा। यह महोत्सव भोजपुर की ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक धरोहर को सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के माध्यम से राष्ट्रीय पटल पर प्रतिष्ठित करने का सशक्त प्रयास है। लोकगायन, लोकनृत्य, नृत्य-नाटिका, सुगम संगीत एवं काव्य-पाठ के माध्यम से शिव महिमा, लोकसंवेदना और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों की सजीव प्रस्तुति की जाएगी। उन्होंने बताया कि महोत्सव के प्रथम दिवस 15 फरवरी को सागर के ऋषि विश्वकर्मा द्वारा प्रस्तुत लोकगायन से कार्यक्रम का शुभारंभ होगा, जो मंदिर प्रांगण को भक्तिरस से अनुप्राणित करेगा।

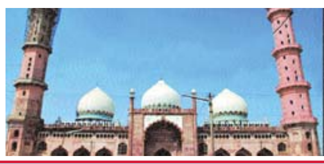

पं.दीनदयाल उपाध्याय एकात्म मानववाद और अंत्योदय के प्रणेता और समर्थ भारत निर्माण के चिंतक थे : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर किया नमन

भोपाल,(निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जब विश्व में सभी ओर साम्यवाद और समाजवाद की विचारधाराओं का प्रभाव था, तब पं. दीनदयाल उपाध्याय ने भारत की सनातन विचारधारा को युगानुकूल रूप में प्रस्तुत करते हुए देश को एकात्म मानववाद और अंत्योदय की कल्याणकारी दृष्टि प्रदान की। यह हमारी सांस्कृतिक विरासत को निरंतरता प्रदान करने का प्रभावी प्रयास था। पं. दीनदयाल उपाध्याय एकात्म मानववाद और अंत्योदय के प्रणेता तथा समर्थ भारत निर्माण के चिंतक थे। पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चिंतक, संगठनकर्ता और भारतीय जनसंघ के सह संस्थापक रहे। दीनदयाल जी का विचार था कि स्वतंत्रता तभी सार्थक होती है, जब वो हमारी संस्कृति की अभिव्यक्ति का साधन बने। उनके विचारों ने समाज के अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति के जीवन में उजास लाने का मार्ग प्रशस्त किया। दीनदयाल जी के विचार भारतीय मानस को सशक्त राष्ट्र और समाज के निर्माण के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर कार्य करने की

प्रेरणा देते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर लालघाटी स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पं. दीनदायल उपाध्याय की प्रतिमा के निकट विकसित नमो वन का अवलोकन कर रुद्राक्ष का पौधा रोपा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचारों के अनुरूप प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, गरीब-किसान-युवा और महिलाओं कल्याण के साथ सभी को प्रगति के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार इस दिशा में निरंतर सक्रिय है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में विश्व में देश का प्रभाव निरंतर बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर केश शिल्पियों को उपलब्ध कराई जा रही किट उनके अंत्योदय के विचारों को व्यावहारिक रूप देने का सार्थक प्रयास है।

इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग, भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय सहित श्री रविन्द्र यति जनप्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

भोपाल में 400 पुलिसकर्मियों की कॉम्बिंग गश्त, 408 बदमाश गिरफ्तार, त्योहारों से पहले बड़ी कार्रवाई

भोपाल,(निप्र)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आने वाले त्योहारों के मद्देनज़र सुरक्षा व्यवस्था सख्त करते हुए पुलिस ने मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात शहरभर में व्यापक कॉम्बिंग गश्त की। पुलिस कमिश्नर संजय कुमार के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई में करीब 400 पुलिसकर्मी शामिल रहे।गश्त के दौरान पुलिस ने कुल 408 फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें 283 स्थायी वारंटी और 125 गिरफ्तारी वारंटी शामिल हैं। ये सभी आरोपी विभिन्न गंभीर मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे थे। इनके खिलाफ वाहन चोरी, नकबजनी, लूट और अन्य आपराधिक मामलों में प्रकरण दर्ज हैं। इसके अलावा जिला बदर किए गए 21 आरोपियों को भी पुलिस ने हिरासत में लिया।

ईरानी डेरे में विशेष कार्रवाई

रात करीब दो बजे पुलिस ने ईरानी डेरे समेत संवेदनशील इलाकों में सघन तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान ईरानी गिरोह के 30 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। गिरोह पर जालसाजी, चेन स्नेचिंग, वाहन चोरी सहित कई आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त होने के आरोप हैं। गिरोह के सरगना राजू ईरानी को पुलिस पहले ही गुजरात के सूरत से गिरफ्तार कर चुकी है। उसके खिलाफ चोरी, लूट और अन्य मामलों में प्रकरण दर्ज हैं।

पूर्व में भी हुई कार्रवाई

जानकारी के अनुसार, 31 दिसंबर 2025 को अमन कॉलोनी क्षेत्र में पुलिस ने दबिश देकर ईरानी गिरोह के कई सदस्यों को पकड़ा था। उस कार्रवाई में लूट का सामान और अवैध हथियार भी बरामद किए गए थे। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह मध्य प्रदेश के अलावा महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान सहित छह राज्यों में सक्रिय रहा है। गिरोह के सदस्य अलग-अलग तरीकों से आपराधिक वारदातों को अंजाम देते थे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने और फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

भोपाल में निजी कॉलेज के प्रोफेसर ने की आत्महत्या, सुसाइड नोट में बीमारी से परेशान होने का जिक्र

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के रातीबड़ इलाके में रहने वाले एक निजी कॉलेज के 32 वर्षीय प्रोफेसर ने मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात अपने घर के कमरे में फंदे पर झूलकर आत्महत्या कर ली। बुधवार सुबह परिजनों को घटना की जानकारी हुई, जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बुधवार दोपहर को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। एसआई गब्बर सिंह के मुताबिक मृतक की पहचान 32 वर्षीय शैलेंद्र सिंह ठाकुर, निवासी गोल्डन सिटी, रातीबड़ के रूप में हुई है। वे मूल रूप से सीहोर जिले के आष्टा तहसील के गोपालपुर गांव के रहने वाले थे और पिछले छह महीनों से भोपाल में किराए पर रहकर रातीबड़ के ही एक निजी कॉलेज में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत थे। पुलिस को कमरे से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उन्होंने बीमारी से परेशान होने की बात लिखते हुए जीवन समाप्त करने का निर्णय लेने का जिक्र किया है। नोट में उन्होंने अपने परिजनों के प्रति स्नेह व्यक्त करते हुए सभी को अपना ध्यान रखने और स्वस्थ रहने की बात कही है। हालांकि, परिजनों का कहना है कि उन्हें किसी गंभीर बीमारी की जानकारी नहीं थी। पुलिस के अनुसार, वे पिछले कुछ समय से मौसमी बीमारियों—जैसे सर्दी-जुकाम—से जल्दी प्रभावित हो जाते थे और इसके बाद होने वाली कमजोरी से चिंतित रहते थे। पुलिस ने यह भी बताया कि उनकी पत्नी पिछले एक वर्ष से बच्चेदानी के कैंसर का इलाज करा रही हैं और फिलहाल अपने मायके में रह रही हैं। इस पारिवारिक स्थिति को लेकर भी वे मानसिक तनाव में थे। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

टैक्स की शत-प्रतिशत वसूली और एआई (AI) से जन-समस्याओं का त्वरित समाधान अनिवार्य : आयुक्त श्री भोंडवे

पीएम आवास योजना और स्वच्छता मिशन पर विशेष जोर ,15 मार्च तक एक लाख आवासों का लक्ष्य

भोपाल, (निप्र.)। आयुक्त नगरीय विकास एवं आवास संकेत भोंडवे ने कहा कि नगरीय प्रशासन में पारदर्शिता और कार्य क्षमता ही प्राथमिकता है। आयुक्त श्री भोंडवे ने कहा कि प्रॉपर्टी टैक्स की वसूली में किसी भी प्रकार की कोताही स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने 25 फरवरी और 15 मार्च को प्रदेश के सभी नगर निगमों में विशेष वसूली शिविर लगाने के निर्देश दिए।

साथ ही, नागरिकों की शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग पर बल दिया, ताकि समस्याओं का समाधान 2 से 3 घंटे के भीतर सुनिश्चित किया जा सके। इसके अलावा, ई-ऑफिस प्रणाली और डिजिटल लॉकर के माध्यम से प्रशासनिक कार्यों को पूर्णत: डिजिटल बनाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाने को कहा गया। आयुक्त श्री भोंडवे भौरी के सुंदरलाल पटवा राष्ट्रीय नगर प्रबंधन संस्थान में बुधवार को विभागीय समीक्षा कर रहे थे। आयुक्त श्री भोंडवे नेसंसाधन प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में नवाचारी दृष्टिकोण अपनाते हुए उज्जैन, इंदौर और देवास को मिलाकर एक संयुक्त वॉटर सप्लाई बोर्ड के गठन के संकेत दिए।

12 फरवरी को भोपाल में भवन विकास निगम की क्षमता संवर्धन कार्यशाला

भोपाल, (निप्र.)। लोक निर्माण से लोक कल्याण के विजन को सशक्त आधार देने के उद्देश्य से लोक निर्माण विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा निरंतर क्षमता संवर्धन कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 12 फरवरी 2026 को भोपाल स्थित रवीन्द्र भवन में मध्यप्रदेश भवन विकास निगम के तत्वावधान में एक दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव होंगे। इस संबंध में जानकारी देते हुए लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने बताया कि यह कार्यशाला निर्माण क्षेत्र से जुड़े अभियंताओं एवं तकनीकी अधिकारियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। कार्यशाला में लोक निर्माण विभाग, परियोजना क्रियान्वयन इकाई, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम तथा मध्यप्रदेश भवन विकास निगम के लगभग 2,000 अभियंता एवं तकनीकी अधिकारी भाग लेंगे।

रेल नेटवर्क के जरिये दुर्लभ प्रजाति के कछुओं की तस्करी का सरगना गिरफ्तार

भोपाल,(निप्र)। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्य-जीव अभिरक्षक के निर्देशन में मुखबिर की सूचना पर पटना-इंदौर एक्सप्रेस के प्रथम श्रेणी कोच से स्टेट टाइगर फोर्स भोपाल, रेलवे सुरक्षा बल एवं वन मण्डल भोपाल द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए संत हिरदाराम स्टेशन से एक आरोपी अजय सिंह राजपूत वल्द राजकुमार के पास से 311 नग दुर्लभ प्रतिबंधित प्रजाति के जीवित कछुओं को जप्त कर वन अपराध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। वन्य-जीव कछुओं को स्वास्थ्य परीक्षण के बाद न्यायालय से अनुमति प्राप्त कर प्राकृतिक रहवास में मुक्त किया गया। दुर्लभ प्रजाति के कछुओं की तस्करी के संबंध में 8 फरवरी, 2026 के प्रकरण में अग्रिम कार्यवाही करते हुए संगठित गिरोह के विधि विरोधी बालक को लखनऊ से अभिरक्षा में लिया गया, जिसे प्रधान न्यायिक मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड भोपाल में 9 फरवरी को प्रस्तुत कर संप्रेक्षण गृह भोपाल भेजा गया।

भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी स्थान होगा पं. दीनदयाल उपाध्याय उद्यान : स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह

राजधानी भोपाल के बर्राई क्षेत्र में एकात्म मानववाद के जनक की प्रतिमा का अनावरण, विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ किया सांदीपनि विद्यालय में प्रवेश

भोपाल,(निप्र)। एकात्म मानववाद के जनक पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर भोपाल के बर्राई क्षेत्र को 11 जनवरी को दो सौगातें मिलीं। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के नाम से बने उद्यान की शुरुआत और उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। इसके साथ-साथ विद्यार्थियों को सांदीपनि विद्यालय में भी प्रवेश कराया। बच्चों को गुलाब के फूल दिए गए और उन्हें विकसित भारत में योगदान के लिए प्रेरित किया गया। विधानसभा अध्यक्ष तोमर, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह और विधायक रामेश्वर शर्मा ने बच्चों को संबोधित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को पं. दीनदयाल उपाध्याय के सपने से परिचित कराया और उनके पद चिन्हों पर चलने के लिए कहा।स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि आज के दिन इस क्षेत्र के लोगों को खुशियां मिलने वाली हैं। इस पार्क को पं. दीनदयाल उपाध्याय के नाम

से उद्यान के रूप में जाना जाएगा। उनकी प्रतिमा का आज लोकार्पण हुआ है। यह प्रतिमा आपके लिए आगे आने वाले समय में प्रेरणा का काम करेगी, प्रेरक का काम करेगी। ये पार्क इस क्षेत्र में पर्यावरण की दृष्टि से श्रेष्ठ स्थान होगा, जहां बच्चे-बुजुर्ग-नौजवान, सभी यहां पर सुबह और शाम अपना समय यहां व्यतीत कर सकते हैं। ये उद्यान आगे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी स्थान के रूप में जाना जाएगा।

पहले लक्ष्य तय करें, फिर उसे पाने की कोशिश करें

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय के सपने को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में और हमारे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश में सच कर रहे हैं। उस सपने को साकार करने के लिए पीढ़ियां संघर्ष कर रही हैं। हमारे प्रधानमंत्री श्री मोदी कहते हैं कि पहले लक्ष्य तय करो फिर उसे पाने की कोशिश करो। मैं बच्चों से कहूंगा कि जब तक जीवन में आप लक्ष्य तय नहीं करोगे, तब तक उस तक नहीं पहुंच पाओगे। इसलिए पहले तय करो कि हमको कहां जाना है।

अयोध्या बायपास चौड़ीकरण के तहत 90 झुग्गियों को नोटिस, पुनर्वास की मांग तेज

16 किमी लंबी 10-लेन सड़क परियोजना पर 836.91 करोड़ खर्च, कई मकान-दुकानें पहले ही हटाई गईं

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के अयोध्या बायपास को 10 लेन में विकसित करने का काम तेजी से जारी है। नेशनल हाईवे-146 पर आशाराम तिराहा से रत्नागिरी तिराहे तक 16 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण 836.91 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। परियोजना के तहत आनंद नगर में एक फ्लाईओवर भी बनाया जाएगा। सड़क चौड़ीकरण के दायरे में आने वाली 146 दुकानों को प्रशासन पहले ही हटा चुका है। इसके अलावा तीन धार्मिक स्थलों, एक पुलिस चौकी और एक वार्ड कार्यालय को भी अन्य स्थान पर शिफ्ट करने की प्रक्रिया चल रही है।

केसर बस्ती की 90 झुग्गियों पर कार्रवाई की तैयारी

अब इस परियोजना के तहत केसर बस्ती की करीब 90 झुग्गियों को हटाने की तैयारी की जा रही है। यहां रहने वाले परिवारों को प्रशासन की ओर से नोटिस जारी किए गए हैं। नोटिस मिलने के बाद बस्ती में रहने वाले लोग चिंता में हैं। उनका कहना है कि वे कई वर्षों से यहां रह रहे हैं और अभी तक पुनर्वास या मुआवजे को लेकर स्पष्ट व्यवस्था नहीं बताई गई है।

पुनर्वास सुनिश्चित करने की मांग

कांग्रेस नेता रविंद्र साहू झूमरवाला, मोहित सक्सेना और रीतेश सोनी सहित अन्य प्रतिनिधि बुधवार को बस्ती में पहुंचे और प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। उनका कहना है कि विकास कार्य जरूरी है, लेकिन बिना पुनर्वास और उचित मुआवजे के परिवारों को बेघर करना उचित नहीं होगा।स्थानीय लोगों की मांग है कि प्रशासन पहले वैकल्पिक आवास और मुआवजे की स्पष्ट योजना सामने रखे, उसके बाद ही हटाने की कार्रवाई की जाए।

युवा पीढ़ी में सोचने, समझने और नवाचार करने की अद्भुत क्षमता : प्रबंध संचालक डॉ. इलैया राजा टी

भोपाल (निप्र)। सचिव पर्यटन और प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड डॉ. इलैया राजा टी ने कहा कि हमारी युवा पीढ़ी में सोचने, समझने और नवाचार करने की अद्भुत क्षमता है। देखो अपना देश ब्रोशर प्रतियोगिता के माध्यम से सभी ने अपनी कल्पनाशीलता, रचनात्मकता और अथक परिश्रम के माध्यम से न केवल अपने जिले और राज्य की पहचान को सुंदर रूप में प्रस्तुत किया है, बल्कि देश की समृद्ध सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत को भी प्रभावशाली ढंग से उजागर किया है। प्रबंध संचालक डॉ. इलैया राजा टी, इंस्टिट्यूट ऑफ़ होटल मैनेजमेंट भोपाल में भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय की एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहल देखो अपना देश के अंतर्गत ब्रोशर प्रतियोगिता में राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। प्रबंध संचालक डॉ. इलैया राजा टी ने सभी विजेता विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। उन्होंने कहा कि आपके बनाए गए ब्रोशर यह सिद्ध करते हैं कि हमारी युवा पीढ़ी में सोचने, समझने और नवाचार करने की अद्भुत क्षमता है। यह उपलब्धि आपके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप आगे भी इसी लगन और उत्साह के साथ सीखते हुए देश के विकास और पर्यटन को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में अपना अमूल्य योगदान देंगे।

भोपाल नगर निगम ने श्वानों की नसबंदी कर आवारा छोड़ा

भोपाल, (ए.)। राजधानी भोपाल शहर में आवारा श्वानों की बढ़ती संख्या पर नियंत्रण के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा नसबंदी और एंटीरैबीज टीकाकरण अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को निगम के डॉग स्क्वाड ने विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए 69 आवारा श्वानों को पकड़कर नसबंदी केंद्रों में भेजा। इसके बाद इन्हें वहीं फिर छोड़ दिया जहां से इन्हें पकड़ था।निगम आयुक्त के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई में अलग-अलग एबीसी (एनिमल बर्थ कंट्रोल) केंद्रों पर श्वानों को भेजा गया।इस प्रकार कुल 69 श्वानों की नसबंदी प्रक्रिया प्रारंभ की गई। नसबंदी और एंटीरैबीज टीकाकरण के बाद 68 श्वानों को उनके मूल क्षेत्र में पुन: छोड़ दिया गया। जिससे एक बार फिर रहवासियों के लिए खतरा पैदा हो गया कि नहीं न नहीं ये आवारा श्वान कभी भी बच्चों को अपना निशाना बना सकते हैं।नगर निगम प्रशासन का कहना है कि आवारा श्वानों को पकड़कर उनकी नसबंदी और टीकाकरण की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी, ताकि शहर में श्वान जनसंख्या नियंत्रण और रेबीज की रोकथाम सुनिश्चित की जा सके।

बजट सत्र से पहले सरकार ने फिर लिया 5 हजार करोड़ का कर्ज

भाजपा ने प्रदेश को कर्ज प्रदेश बना दिया कर्ज : कमलनाथ

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र की शुरुआत से ठीक पहले मोहन सरकार ने बाजार से 5 हजार करोड़ रुपये का नया कर्ज उठाया है। यह पिछले एक सप्ताह के भीतर लिया गया दूसरा बड़ा कर्ज है। इससे पहले 4 फरवरी को राज्य सरकार 5,300 करोड़ रुपये का ऋण ले चुकी है। लगातार कर्ज लेने के फैसले को लेकर प्रदेश की राजनीति गर्मा गई है। कांग्रेस ने इसे मुद्दा बनाते हुए सरकार पर वित्तीय प्रबंधन को लेकर सवाल उठाए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मोहन सरकार पर निशाना साधा है और आरोप लगाए हैं कि भाजपा राज्य को कर्ज के बोझ में डूबो रही है। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर लिखा-भारतीय जनता पार्टी की सरकारों ने मध्य प्रदेश को कर्ज़ प्रदेश बना दिया है।भारतीय रिज़र्व बैंक की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार मध्य प्रदेश के ऊपर 5, लाख करोड़ रुपया से अधिक का कर्ज़ हो चुका है और मध्य प्रदेश के ऊपर देश के कुल कर्ज़ का 5त्न हिस्सा हो गया है। कमलनाथ ने आगे कहा कि भाजपा की सरकार ने कितनी तेज़ी से मध्य प्रदेश को कर्ज़ के दलदल में डुबाया है, इस बात का अंदाज़ा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि 2007 में मध्यप्रदेश के ऊपर 52, हज़ार करोड़ रुपये का कर्ज़ था जो क़रीब दस गुना बढ़कर 5,00,000 करोड़ की सीमा को पार कर गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार अपनी फ़िज़ूलख़र्ची और इवेंट बाज़ी पर सरकारी ख़ज़ाने को लुटा रही है। आम जनता कभी कफ सीरप में ज़हर, तो कभी विषाक्त जल पीने से बेमौत मारी जा रही है और सरकारी ख़ज़ाना बुनियादी ज़रूरतों की पूर्ति की जगह भ्रष्टाचार पर ख़र्च किया जा रहा है। मैंने पहले भी आगाह किया है और एक बार फिर दोहराता हूँ कि मध्य प्रदेश सरकार को अपनी राजकोषीय स्थिति के बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए और जनहित में इसमें सुधार करने की ज़रूरत है।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी साधा निशाना

मप्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी सरकार के कर्ज लेने पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा कि बजट सत्र से ठीक पहले मध्यप्रदेश सरकार द्वारा एक सप्ताह में दूसरी बार 5,000 करोड़ रुपये का कर्ज लिया जाना अत्यंत गंभीर विषय है। चालू वित्त वर्ष में अब तक 67,300 करोड़ रुपये की उधारी और 36 बार कर्ज लिया जाना राज्य की वित्तीय स्थिति पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। हाल ही में जारी RBI की रिपोर्ट ने भी प्रदेश की वास्तविक आर्थिक तस्वीर उजागर की है देश के कुल कर्ज का लगभग 5 प्रतिशत हिस्सा अकेले मध्यप्रदेश पर है। यह स्थिति चिंताजनक है और सरकार की वित्तीय दिशा पर पुनर्विचार की मांग करती है। सरकार स्पष्ट करे कि इस भारी उधारी का ठोस वित्तीय रोडमैप क्या है? आगामी बजट सत्र में बढ़ते कर्ज, ब्याज के बढ़ते बोझ और वित्तीय प्रबंधन की पारदर्शिता पर सरकार से विस्तृत जवाब मांगा जाएगा। मध्यप्रदेश को कर्ज के पहाड़ नहीं, बल्कि मजबूत, जवाबदेह और दूरदर्शी आर्थिक नीति की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन के वन मेले में प्रदर्शनी का अवलोकन किया

डूब प्रभावित परिवारों को पुनर्वास का लाभ पारदर्शी, सुव्यवस्थित एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता : सम्भागायुक्त

ग्रामीणों से संवाद कर सुनीं उनकी समस्याएँ - प्रकरणों का त्वरित एवं प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने के दिए निर्देश

इन्दौर (ए.)। सम्भागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े बुधवार को सरदार सरोवर परियोजना के अंतर्गत डूब प्रभावित हितग्राहियों को भूखंड रजिस्ट्री हेतु धार जिले के तहसील धरमपुरी के ग्राम खुजावा में आयोजित दस्तावेज सत्यापन शिविर में शामिल हुए। सम्भागायुक्त ने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएँ सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों का त्वरित एवं प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डूब प्रभावित परिवारों को पुनर्वास का लाभ पारदर्शी, सुव्यवस्थित एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सम्भागायुक्त डॉ. खाड़े ने कहा कि जिन प्रकरणों में किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न होगी, उनका निराकरण प्रशासन द्वारा गठित दल के माध्यम से किया जाएगा। यह कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण एवं समय-सीमा से जुड़ा हुआ है। वर्तमान में प्राप्त आवेदनों का विधिवत सत्यापन कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने रजिस्ट्री एवं सत्यापन प्रक्रिया को डिजिटाइजेशन के माध्यम से और

अधिक सरल एवं सुगम बनाने के निर्देश भी दिए। संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने कहा कि रजिस्ट्रेशन के लिये आवेदकों द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले दस्तावेजों में लाभार्थी का आवेदन पत्र , भूखण्ड आवंटन प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की छायाप्रति, पेनकार्ड की छायाप्रति और वारिसान प्रमाण-पत्र अनिवार्य होंगे। प्रशासन द्वारा शिविर के माध्यम से पात्र हितग्राहियों की समस्याओं के समाधान हेतु समन्वय के साथ कार्य किया जा रहा है, ताकि भूखंड रजिस्ट्री की प्रक्रिया सुचारू रूप से पूर्ण की जा सके। इस अवसर पर धार जिला कलेक्टर प्रियंक मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी उपस्थित रहे।

विवाहिता से दुष्कर्म करने वाला आरोपित जेठ गिरफ्तार, भेजा जेल

राजगढ़ (ए.)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में कोतवाली थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर 19 वर्षीय महिला के साथ गलत काम करने व किसी से कहने की बात पर जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपित जेठ को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 10 फरवरी को 19 वर्षीय पीड़ित ने शिकायत दर्ज कराई कि एक दिसम्बर की सुबह जेठ ने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए, जब उसने विरोध किया तो आरोपित ने शांत रहने व किसी से न कहने की बात पर जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद भय और बदनामी के चलते पीड़ित कुछ समय तक चुप रही बाद में उसने राजगढ़ कोतवाली में शिकायत दर्ज की। पुलिस ने मामले में आरोपित जेठ के खिलाफ धारा 87, 64(1), 64(2)(एफ), 127(2), 351(3) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तात्कालिक कार्रवाई करते हुए आरोपित जेठ को हिरासत में लिया। पुलिस ने पूछताछ के बाद बुधवार को आरोपित को अदालत में पेश किया, जहां से उसे जेल भेजा गया।

प्रशासन एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने डबरा स्थित नवग्रह शक्ति पीठ में आयोजित धार्मिक आयोजन की व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण : दिए आवश्यक निर्देश

ग्वालियर(आरएनएस)। जिले के डबरा में नवग्रह शक्ति पीठ में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं को लेकर जिला

प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, आईजी अरविंद सक्सेना व डीआईजी अमित सांघी सहित विभागीय अधिकारियों ने डबरा स्थित नवग्रह मंदिर में प्रस्तावित कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सर्वप्रथम कंट्रोल रूम पहुंचकर मॉनिटरिंग व्यवस्था का जायजा लिया तथा आवश्यकतानुसार अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाने और सतत निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने मंदिर परिसर में सुरक्षा एवं आवागमन व्यवस्था का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि भीड़ की स्थिति को देखते हुए रस्सी एवं बैरिकेडिंग की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाए, आवश्यकता पड़ने पर उसका उपयोग किया जाए।

रसोई में घुसा कोबरा नाग, परिवार ने रात काटी दहशत में

जबलपुर (ए.)। भेड़ाघाट थाना अतंर्गत ग्राम तेवर में मंगलवार की देर रात 11 बजे एक घर की रसोई में कोबरा नाग के घुस आने से हड़कंप मच गया। पटेल परिवार ने रात भर दहशत में गुजारी, बुधवार की सुबह सर्प विशेषज्ञ ने रेस्क्यू किया और नाग को सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम तेवर निवासी गीता प्रसाद पटेल के घर में रात करीब 12 बजे एक चमकदार काला नाग रसोई कक्ष में प्रवेश कर गया। इसी दौरान वहां रखा एक प्लास्टिक का डिब्बा गिरने से नाग भड़क गया और तेजी से फुंफकारने लगा। अचानक सामने नाग को देख परिवार के लोगों में अफरातफरी मच गई। डर के कारण किसी ने उसे छेड़ने का साहस नहीं किया और पूरी रात सतर्कता के साथ बिताई। सुबह करीब 7:15 बजे परिवार के सदस्य दीपक पटेल ने सर्प विशेषज्ञ गजेन्द्र दुबे को सूचना दी। सूचना मिलने पर दुबे मौके पर पहुंचे और सावधानीपूर्वक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर सांप को पकड़ लिया।

किसानों को दी जा रही आधुनिक कृषि यंत्रों की जानकारी

नरसिंहपुर (आरएनएस)। राज्य शासन के निर्देशानुसार कृषक कल्याण वर्ष-2026 के तहत प्रदेश में कृषि रथों का भ्रमण जारी है। इसी क्रम में नरसिंहपुर जिले के सभी 6 विकासखंडों में कृषि रथ चलाया जा रहा है। जिले के किसानों को ई-विकास प्रणाली (ई-टोकन उर्वरक वितरण), आधुनिक कृषि यंत्रों और उन्नत खेती आदि की जानकारी दी जा रही है। कृषि विभाग द्वारा कृषि रथ के माध्यम से किसानों को जागरूक भी किया जा रहा है। कृषि रथ के माध्यम से किसानों को जैविक खेती एवं प्राकृतिक कृषि क्षेत्रों का विस्तार, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, एकीकृत पोषक तत्व, कीट एवं रोग प्रबंधन, कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने के उपाय, फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने, विभागीय कृषि योजनाओं का प्रचार-प्रसार, प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना, ई-विकास प्रणाली अंतर्गत ई-टोकन उर्वरक वितरण व्यवस्था और पराली प्रबंधन की जानकारी दी गई। किसानों को नरवाई (फसल अवशेष) प्रबंधन के लिए आधुनिक यंत्रों जैसे सुपर सीडर, हैप्पी सीडर, जीरो टिलेज सीड कम फर्टिलाइजर ड्रिल, स्ट्रॉ रीपर और रीपर कम बाइंडर की तकनीकी जानकारी दी गई।किसानों को जानकारी दी गई कि सुपर सीडर और हैप्पी सीडर जैसे यंत्र खेत की तैयारी, नरवाई प्रबंधन और बोनी जैसे तीन काम एक साथ करते हैं। इन यंत्रों के उपयोग से न केवल समय और लागत की बचत होती है, बल्कि पैदावार भी अच्छी मिलती है।

उन्होंने किसानों को समझाइश दी गई कि नरवाई जलाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति नष्ट होती है और वायु प्रदूषण फैलता है। नरवाई न जलाकर उसे खाद के रूप में उपयोग करना ही श्रेष्ठ है। रतलाम जिले में कृषि रथ के माध्यम से कृषि एवं संबद्ध विषयों जैसे उद्यानिकी, पशुपालन, आत्मा, मत्स्य पालन आदि पर किसानों एवं कृषि वैज्ञानिकों के मध्य सीधा संपर्क कायम कर नवीन एवं वैज्ञानिकी तकनीकी सुधार की जानकारी कृषकों को दी जा रही है। कृषि रथ द्वारा किसानों को जिले के विभिन्न ग्रामों में जैविक खेती एवं प्राकृतिक कृषि क्षेत्रों का विस्तार, पराली न जलाने, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, एकीकृत पोषक तत्व, कीट एवं रोग प्रबंधन, कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने के उपाय, फसल विविधीकरण को बढावा देने, प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना, ई-विकास प्रणाली अंतर्गत ई-टोकन उर्वरक वितरण व्यवस्था आदि के संबंध में जानकारी दी गई।

व्यापार समाचार

INDIGO के लिए खत्म हुई राहत की अवधि, अब पायलटों के लिए लागू हुए सख्त नियम

नई दिल्ली (ए.) देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो को फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (FDTL) नियमों के पालन में मिली 68 दिनों की अस्थायी राहत मंगलवार, 10 फरवरी 2026 को समाप्त हो गई है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) ने यह छूट दिसंबर 2025 में आए परिचालन संकट के बाद दी थी, ताकि एयरलाइन अपने पायलटों के रोस्टर और उड़ान प्रणालियों को नए सुरक्षा मानकों के अनुरूप ढाल सके। अब बुधवार, 11 फरवरी 2026 से इंडिगो को बिना किसी अतिरिक्त छूट के संशोधित नियमों का पूरी तरह पालन करना होगा।

DGCA की रही कड़ी निगरानी

राहत की इस 68 दिनी अवधि के दौरान डीजीसीए ने इंडिगो के परिचालन पर बेहद सख्त नजर रखी। एयरलाइन को हर घंटे की फ्लाइट रिपोर्ट के साथ-साथ साप्ताहिक और पाक्षिक प्रदर्शन रिपोर्ट भी जमा करनी पड़ी। इतना ही नहीं, नियामक ने हवाई अड्डों पर अपने विशेष अधिकारी तैनात किए थे और ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर से इंडिगो के कामकाज की रियल-टाइम मॉनिटरिंग की गई। डीजीसीए ने पहले ही साफ कर दिया था कि यह राहत केवल एक सीमित समय के लिए थी और सुरक्षा मानकों से समझौता करते हुए इसे आगे नहीं बढ़ाया जाएगा।

एयरलाइन ने कहा- हम पूरी तरह तैयार

इंडिगो ने डीजीसीए को आश्वस्त किया है कि वह 11 फरवरी से नए स्नष्ठञ्जरु नियमों को लागू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। एयरलाइन के अनुसार, उसने अपनी रोस्टर योजना और क्रू शेड्यूलिंग में सभी आवश्यक बदलाव कर लिए हैं। भविष्य में किसी भी तरह के व्यवधान से बचने के लिए इंडिगो ने पायलट-टू-एयरक्राफ्ट रेशियो (विमान के अनुपात में पायलटों की संख्या) को बढ़ा दिया है और एक मजबूत रिजर्व पायलट पूल तैयार किया है। कंपनी का दावा है कि उनके पास अब पर्याप्त 'पायलट बफर' उपलब्ध है, जिससे सुचारू संचालन सुनिश्चित होगा।

दिसंबर 2025 का संकट और भारी जुर्माना

गौरतलब है कि दिसंबर 2025 में इंडिगो को एक बड़े परिचालन संकट का सामना करना पड़ा था, जिसके चलते 5,500 से अधिक उड़ानें रद्द हुई थीं। इस अव्यवस्था के कारण लाखों यात्रियों को परेशानी हुई, जिसके बाद डीजीसीए ने एयरलाइन पर 22.2 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड जुर्माना लगाया था। इसी संकट को संभालने और नए नियमों में बदलाव के लिए ही 68 दिनों की मोहलत दी गई थी। अब इंडिगो को पायलटों के साप्ताहिक आराम, रात की उड़ान की सीमाओं और थकान प्रबंधन से जुड़े सभी कड़े प्रावधानों को अनिवार्य रूप से लागू करना होगा। सरकारी अधिकारियों का मानना है कि नई तैयारियों के बाद अब यात्रियों को पहले जैसी दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

सैमसंग इस महीने अमेरिका में पेश करेगा अपना नया फ्लैगशिप गैलेक्सी स्मार्टफोन

सोल ,(ए.) सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने बुधवार को कहा कि वह इस महीने अमेरिका में होने वाले गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट में अपना नया फ्लैगशिप स्मार्टफोन पेश करेगा। कंपनी ने संकेत दिया है कि यह नया फोन पहले से ज्यादा बेहतर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) फीचर्स के साथ आएगा।

गैलेक्सी अनपैक्ड 2026 कार्यक्रम 25 फरवरी को सैन फ्रांसिस्को में आयोजित किया जाएगा। कंपनी ने अपने निमंत्रण में द नेक्स्ट एआई फोन मेक्स योर लाइफ ईजियर यानी अगला एआई फोन आपकी जिंदगी आसान बनाता है शीर्षक दिया है।

योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि नई गैलेक्सी एस सीरीज आ रही है, जिसे रोजमर्रा के कामों को आसान बनाने, लोगों में आत्मविश्वास बढ़ाने और गैलेक्सी एआई को हाथ में लेते ही सहज रूप से एकीकृत महसूस कराने के लिए बनाया गया है।

कंपनी ने कहा कि यह एआई के नए दौर की शुरुआत होगी, जहां तकनीक और भी ज्यादा व्यक्तिगत और अनुकूल बनेगी।

सूत्रों के अनुसार, नया स्मार्टफोन गैलेक्सी एस26 हो सकता है, जिसमें एक खास इनबिल्ट प्राइवेसी फीचर दिया जाएगा, जिससे यूजर्स अपनी स्क्रीन पर दिखने वाली जानकारी को दूसरों से छिपा सकेंगे। इसके लिए किसी अतिरिक्त स्क्रीन गार्ड या फिल्म लगाने की जरूरत नहीं होगी।

कंपनी ने बताया कि इस नए फीचर से यूजर्स यह तय कर सकेंगे कि उनकी स्क्रीन कितनी दिखाई दे। इससे शोल्डर सर्फिंग यानी पास खड़े व्यक्ति द्वारा स्क्रीन देखने की समस्या से बचा जा सकेगा। यह सुविधा बहुत जल्द गैलेक्सी फोन में उपलब्ध कराई जाएगी।

भारत-यूएस ट्रेड डील से अमेरिकी प्लास्टिक बाजार में बढ़ेगी देश की हिस्सेदारी : इंडस्ट्री

गाजियाबाद,(ए.) भारत-यूएस ट्रेड डील घरेलू प्लास्टिक निर्यातकों के लिए व्यापार का बड़ा अवसर लेकर आई है और इससे अमेरिकी प्लास्टिक बाजार में भारत को अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने में मदद मिलेगी। यह जानकारी इंडस्ट्री एक्सपर्ट की ओर से मंगलवार को दी गई।

समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए आरएमजी पॉलिमर इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर (एमडी) अरविंद गोयनका ने कहा,भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील होने से घरेलू प्लास्टिक निर्यातकों के लिए अमेरिका का बड़ा बाजार खुलेगा।

उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका का सालाना प्लास्टिक का आयात करीब 75 अरब डॉलर का है। मौजूदा समय में भारत से अमेरिका को प्लास्टिक का निर्यात केवल 2.2 अरब डॉलर का है। ऐसे में यह समझौता भारतीय कंपनियों के लिए निर्यात बढ़ाने का सुनहरा मौका है। हमारा अमेरिका को प्लास्टिक का निर्यात अगले कुछ सालों में दोगुना हो सकता है।उन्होंने बताया कि अमेरिका पीवीसी (पॉलीविनाइल क्लोराइड) का भी बहुत बड़ा खरीदार है। अगर अमेरिका भारत से अधिक मात्रा में प्लास्टिक और पीवीसी उत्पाद खरीदेगा, तो वही सामान आगे अन्य देशों में भी एक्सपोर्ट किया जाएगा। इससे भारतीय उत्पादों को वैश्विक बाजार में नई पहचान मिलेगी। अरविंद गोयनका के मुताबिक, यह समझौता न सिर्फ प्लास्टिक इंडस्ट्री के लिए फायदेमंद साबित होगा, बल्कि भारत को एक मजबूत और भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करने में भी मदद करेगा।उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था 30 ट्रिलियन डॉलर की है और वहां की जनसंख्या करीब 34 करोड़ है, ऐसे में वहां आय अधिक होने के कारण उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की मांग अधिक है।

ऑटोमोटिव इंडस्ट्री में इनोवेशन ग्राहकों के डेटा की गोपनीयता और सुरक्षा की सीमाओं के भीतर हो : सियाम अध्यक्ष

नई दिल्ली (ए.) सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा ने मंगलवार को कहा कि ऑटोमोटिव इंडस्ट्री में इनोवेशन ग्राहकों के डेटा की गोपनीयता और सुरक्षा की सीमाओं के भीतर ही किया जाना चाहिए।

उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में एक कार्यक्रम में कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों में और यहां तक कि पारंपरिक आईसीई (इंटरनल कम्बशन इंजन) वाहनों में भी ग्राहक से इकोसिस्टम के कई पक्षकारों तक का बहुत सारा डेटा प्रवाहित होता है। इसमें आपके डैशकैम से आने वाला वीडियो फीड या आपके इंफोटेनमेंट सिस्टम में जुड़े हुए फोन नंबर शामिल हो सकते हैं। ग्राहक से जुड़ी इतनी अधिक जानकारी सामने आती हैं और हम पेशेवरों के रूप में उसकी गोपनीयता की परवाह करते हैं। सियाम के अध्यक्ष के साथ टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड के सीईओ का पद संभाल रहे चंद्रा ने कहा, हमें ओईएम स्तर पर गोपनीयता और सुरक्षा को लेकर बहुत संवेदनशील होना चाहिए और इसके लिए कुछ स्पष्ट सिद्धांत होने चाहिए। उन्होंने कहा, पहला सिद्धांत यह है कि आपको ग्राहक को यह स्पष्ट रूप से बताना चाहिए और उसकी सहमति लेनी चाहिए कि कौन-सा डेटा उपयोग किया जा रहा है और उसे किस प्रकार इस्तेमाल किया जाएगा। दूसरा पहलू यह है कि हमें डेटा का वर्गीकरण करना चाहिए। तीसरा और बहुत महत्वपूर्ण पहलू यह है कि आप डेटा को कैसे संभालते हैं—यानी कौन-सी जानकारी को लंबे समय तक सुरक्षित रखना है और किसे जल्दी समाप्त करना है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील में अब दाल नहीं, व्हाइट हाउस ने फैक्ट शीट में किया बदलाव; जानें और क्या हुए संशोधन

नई दिल्ली (ए.)। व्हाइट हाउस ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर जारी अपनी फैक्ट शीट में संशोधन किया है। संशोधित दस्तावेज में दाल का उल्लेख हटा दिया गया है और भारत द्वारा 500 अरब डॉलर की प्रस्तावित खरीद को लेकर इस्तेमाल किए गए शब्दों में भी बदलाव किया गया है। पहले जहां इसे 'कमिटमेंट' (प्रतिबद्धता) कहा गया था, अब उसकी जगह 'इंटेंड' (इरादा रखता है) शब्द का प्रयोग किया गया है।गौरतलब है कि दाल के मुद्दे को लेकर कांग्रेस ने मंगलवार को सरकार पर निशाना साधा था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि 9 फरवरी को जारी व्हाइट हाउस की नई फैक्ट शीट में दाल को चुपचाप जोड़ दिया गया, जबकि 6 फरवरी 2026 को जारी भारत-अमेरिका संयुक्त बयान में इसका उल्लेख नहीं था।व्हाइट हाउस ने मंगलवार को ट्रेड डील पर फैक्ट शीट जारी करते हुए समझौते की प्रमुख शर्तों का विवरण दिया था। इसमें कहा गया था कि भारत अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं और खाद्य एवं कृषि उत्पादों की एक श्रृंखला पर शुल्क समाप्त करेगा या कम करेगा। इन उत्पादों में ड्राइड डिस्टिलर्स ग्रेन्स, रेड सोरघम, ट्री नट्स, कुछ दालें, सोयाबीन तेल, वाइन और स्पिरिट्स सहित अन्य वस्तुएं शामिल थीं।दस्तावेज में यह भी उल्लेख किया गया था कि भारत ऊर्जा, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, कृषि, कोयला और अन्य क्षेत्रों में 500 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के उत्पादों की खरीद की प्रतिबद्धता जताता है। हालांकि संशोधित संस्करण में

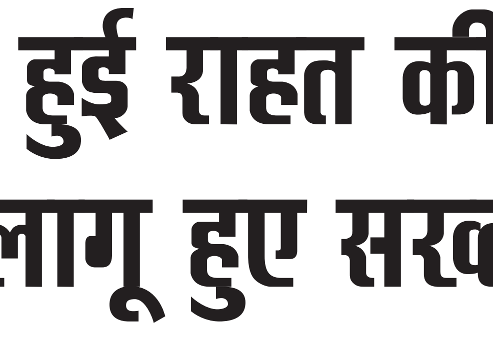

'प्रतिबद्धता' शब्द को बदलकर 'इरादा' कर दिया गया है। फैक्ट शीट में यह भी कहा गया कि भारत ने दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में अमेरिका पर अपेक्षाकृत अधिक शुल्क लगाए हुए हैं। कृषि उत्पादों पर औसत शुल्क 37 प्रतिशत तक और कुछ वाहनों पर 100 प्रतिशत से अधिक बताया गया है। साथ ही यह भी उल्लेख किया गया कि भारत का इतिहास गैर-शुल्क बाधाएं लगाने का रहा है, जिनके कारण कई अमेरिकी निर्यात उत्पादों को भारत में प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा है।दस्तावेज के अनुसार, आने वाले हफ्तों में दोनों देश इस ढांचे को लागू करने की दिशा में तेजी से काम करेंगे और अमेरिकी श्रमिकों तथा कारोबार को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से एक पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अंतरिम समझौते पर बातचीत करेंगे।फैक्ट शीट में यह भी कहा गया है कि भारत प्राथमिक क्षेत्रों में द्विपक्षीय व्यापार को प्रभावित करने वाली गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करेगा।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

जन समस्याओं का हल सांत्वना का भ्रम

सालाना बजट आज महज वित्तीय विवरण, कर दरों में हेरफेर, खर्च के लक्ष्यों की घोषणा और जहां-तहां कुछ प्रोत्साहनों के एलान का दस्तावेज भर रह गया है। बुनियादी आर्थिक समस्याओं के हल की बात उसके दायरे से बाहर हो चुकी है। कांग्रेस की राय में केंद्रीय बजट अर्थव्यवस्था की बुनियादी चुनौतियों से आंख मिलाने में नाकाम रहा। दरअसल, पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने तो यहां तक कहा कि वित्त मंत्री ने उन चुनौतियों को सिरे से नजरअंदाज कर दिया। मसलन, अमेरिकी टैरिफ से कारखाना उत्पादकों और निर्यातकों के सामने आई चुनौतियों, व्यापार घाटे, निम्न ग्रॉस फिक्स्ड कैपिटल फॉर्मेशन, एफडीआई की अनिश्चितता, राजकोषीय सेहत में सुधार की धीमी गति, महंगाई के सरकारी आंकड़ों एवं अनुभवजन्य स्थिति में फर्क, लाखों एमएसएमई इकाइयों के बंद होने, बेरोजगारी, और शहरी बुनियादी ढांचे में लगातार गिरावट पर निर्मला सीतारमन ने चुप्पी साध ली। ये आलोचना वाजिब है। यह हकीकत है कि आज सालाना बजट महज वित्तीय विवरण, कर दरों में हेरफेर, खर्च के लक्ष्यों की घोषणा और जहां-तहां कुछ प्रोत्साहनों के एलान का दस्तावेज भर रह गया है। मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था जब असल में मोनोपॉली पूंजीवाद का रूप ले चुकी हो, तो बिना उस ढांचे को चुनौती दिए सरकारें अक्सर ढांचागत समस्याओं का हल निकालने में अक्षम हो जाती हैं। नतीजतन, बजट के जरिए शायद ही बाजार में मांग और निजी निवेश की स्थितियां बनाई जा सकती हैं। बिना ऐसा हुए ना तो रोजगार सृजन संभव है, और ना ही मानव विकास या रहन-सहन की बेहतर सूरत बनाना। देसी बाजार में प्रतिस्पर्धा नहीं रहेगी, तो भारतीय उत्पादों का अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में टिकने की बात महज एक खामख्याली ही है। बाकी जहां तक व्यापार घाटा, पर्याप्त मात्रा में एफडीआई ना आना या पोर्टफोलियो इन्वेस्टरों के भारत से पैसा निकालने, या रुपये की कीमत में गिरावट की बात है, तो वे जारी हालात के नतीजे हैं। यथार्थ तो यह है कि लगातार अपनी ताकत कॉरपोरेट सेक्टर को ट्रांसफर करती गई सरकार की अब ऐसे मसलों का हल ढूंढने की काबिलियत अब काफी हद तक क्षीण हो चुकी है। इस हाल में आबादी के कुछ समूहों को नकदी हस्तांतरण कर चुनावी लाभ की योजनाएं शुरू करने से आगे कुछ करने को वह सोच नहीं पाती। उन योजनाओं के जरिए उन समस्याओं का हल करने की सांत्वना का भ्रम वह पैदा करती है। इस बार भी वह इतना ही कर पाई।

हड़ताल श्रमिक अधिकारों को कमजोर करती है

एस. पी. तिवारी

चार नयी श्रम संहिताओं का क्रियान्वयन, भारत की विशाल श्रम शक्ति, विशेष रूप से अनौपचारिक और असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए जीवन यापन में आसानी में सुधार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन सुधारों का उद्देश्य, बिना जटिल उद्योग वर्गीकरण की बाधाओं के, सभी श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी की गारंटी देना है। प्रत्येक श्रमिक के लिए अनिवार्य पहचान पत्र की शुरुआत करते हुए, ये संहिताएं उन्हें सामाजिक सुरक्षा लाभों तक सीधी पहुंच की सुविधा के साथ सशक्त बनाने का प्रयास करती हैं।

नियमित और अनिवार्य स्वास्थ्य जांच, श्रमिकों की भलाई में मदद करेंगी, जिससे वे स्वस्थ और अधिक उत्पादक जीवन व्यतीत कर सकेंगे। इसके अलावा, समयबद्ध शिकायत निवारण व्यवस्था, पीड़ित श्रमिकों द्वारा सामना किए जाने वाले मानसिक तनाव और अनिश्चितता को कम करने में सहायता करेगी। समग्र रूप से, ये उपाय भारतीय श्रमिकों के लिए गरिमा, सुरक्षा और समावेशी विकास पर केंद्रित एक प्रगतिशील रूपरेखा का प्रतिनिधित्व करते हैं।

हालाँकि, इन सकारात्मक प्रावधानों के बावजूद, राजनीतिक रूप से प्रेरित केंद्रीय श्रमिक संघों (ट्रेड यूनियन) का एक हिस्सा अक्सर हड़ताल के प्रतिकूल प्रभाव पर पूरी तरह विचार किए बिना, हड़ताल पर उतर आता है। ऐसी हड़तालों से विशेष रूप से असंगठित अर्थव्यवस्था के लगभग 38 करोड़ श्रमिकों के पारिश्रमिक को भारी नुकसान होता है, जो अपनी जीविका के लिए दैनिक आय पर निर्भर होते हैं। उनके मुद्दों को हल करने के बजाय, बार-बार होने वाली हड़तालें रचनात्मक और कठोर सामूहिक सौदेबाजी की प्रक्रिया को कमजोर करती हैं, जिससे श्रमिकों और नियोक्ताओं दोनों के लिए न्यायसंगत और संतुलित परिणाम हासिल करने की संभावना कम हो जाती है।

समय के साथ, बार-बार हड़ताल बुलाने का प्रयास न केवल अप्रभावी साबित हुआ है बल्कि इसके परिणाम प्रतिकूल भी रहे हैं। बार-बार होने वाली हड़तालों से श्रमिकों में व्यापक थकान दिखाई पड़ता है, जिससे बड़ी संख्या में श्रमिक ऐसे आह्वान को या तो नजरअंदाज करते हैं या उनमें शामिल नहीं होते हैं। कुछ मामलों में, श्रमिकों के एक छोटे हिस्से को उनकी इच्छा के विपरीत हड़तालों में हिस्सा लेने के लिए मजबूर किया जाता है, जिससे इन आंदोलनों की नैतिक वैधता व सामूहिक ताकत और कमजोर हो जाती है। अंततः, यह प्रवृत्ति श्रमिक कल्याण उपायों के समग्र प्रभाव को कम करती है और श्रमिकों के बीच एकजुटता को कमज़ोर करती है।

हड़तालों के व्यापक परिणाम केवल कार्यस्थल तक सीमित नहीं रहते। औद्योगिक उत्पादन प्रभावित होता है, दैनिक यात्रियों को गंभीर असुविधा का सामना करना पड़ता है, और सड़क किनारे के विक्रेताओं, घरेलू श्रमिकों और छोटे सेवा प्रदाताओं की आजीविका बाधित हो जाती है। इन श्रमिकों के लिए, केवल एक दिन की आय का नुकसान भी आजीविका संकट पैदा कर सकता है, उन्हें अपनी सीमित बचत को खत्म करने तथा गंभीर आर्थिक असुरक्षा में जाने के लिए मजबूर कर सकता है।

भारत जैसी उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में, श्रमिक संघों (ट्रेड यूनियन) को संवाद, आपसी-बातचीत और नियोक्ताओं तथा सरकार के साथ रचनात्मक सहयोग को प्राथमिकता देनी चाहिए। स्थायी सौदेबाजी और सहयोगात्मक समस्या समाधान पर आधारित एक मॉडल उत्पादन, रोजगार, और समग्र आर्थिक वृद्धि को बाधित किए बिना श्रमिकों की समस्याओं का समाधान कर सकता है। वर्तमान संदर्भ में, भारतीय केंद्रीय श्रमिक संघों को, जो धीरे-धीरे अपना प्रभाव खो रहे हैं, आत्मविश्लेषण करने और अन्यत्र अपनाई जाने वाली अधिक प्रभावी और दूरदर्शी तरीकों को अपनाने की आवश्यकता है। भारतीय श्रमिक को एक समग्र दृष्टिकोण के साथ संगठित किया जाना चाहिए, जो जीवन यापन में आसानी, सामाजिक सुरक्षा और सकारात्मक सहभागिता पर जोर देता हो। विवादों का समाधान टकराव के बजाय संवाद के माध्यम से करना यह सुनिश्चित करेगा कि परिचालन प्रक्रिया बाधित न हो और राष्ट्रीय विकास की गति सुचारू रूप से जारी रहे। केवल ऐसे संतुलित और व्यावहारिक रणनीतियों के जरिये ही श्रमिकों के अधिकारों को वास्तविक रूप में मजबूत और दीर्घावधि में सुरक्षित किया जा सकता है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में राज्य विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए राज्य का बजट पेश करने के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

(चिंतन-मनन) आध्यात्मिक आकाश का प्रकाश

चिन्मय आकाश में न तो सूर्यप्रकाश की आवश्यकता है, न चन्द्रप्रकाश अथवा अग्नि या बिजली की, क्योंकि सारे लोक स्वयं प्रकाशित हैं। इस ब्रह्मांड में केवल एक लोक-सूर्य, ऐसा है जो स्वयं प्रकाशित है। लेकिन आध्यात्मिक आकाश में सभी लोक स्वयं प्रकाशित हैं। उन समस्त लोकों के (जिन्हें वैकुण्ठ कहा जाता है) चमचमाते तेज से चमकीला आकाश बनता है, जिसे ब्रह्मज्योति कहते हैं। इस तेज का एक अंश महत-तत्व अर्थात जगत से आच्छादित रहता है। जब तक जीव इस अंधकारमय जगत में रहता है, तब तक वह बद्ध अवस्था में होता है। लेकिन ज्यों ही वह भौतिक जगत रूपी मिथ्या, विकृत वृक्ष को काटकर आध्यात्मिक आकाश में पहुंचता है, त्यों ही मुक्त हो जाता है। तब वह यहां वापस लेकिन अपनी मुक्त अवस्था में आध्यात्मिक राज्य में प्रवेश करता है और परमेर का पार्षद बन जाता है। वहां पर वह सच्चिदानंदमय जीवन बिताता है।

जो इस संसार से अत्यधिक आसक्त है, उसके लिए इस आसक्ति का छेदन करना दुष्कर होता है। लेकिन यदि वह कृष्णभावनामृत को ग्रहण कर ले, तो उसके क्रमशः छूट जाने की संभावना है। उसे ऐसे भक्तों की संगति करनी चाहिए जो कृष्णभावनाभावित होते हैं। उसे ऐसा समाज खोजना चाहिए, जो कृष्णभावनामृत के प्रति समर्पित हो और उसे भक्ति करनी सीखनी चाहिए। इस प्रकार वह संसार के प्रति अपनी आसक्ति विच्छेद कर सकता है। यदि कोई चाहे कि केसरिया वस्त्र पहनने से भौतिक जगत के आकर्षण से विच्छेद हो जाएगा, तो ऐसा संभव नहीं है। उसे भगवद्भक्ति के प्रति आसक्त होना पड़ेगा। यहां परमं मम शब्द बहुत महत्वपूर्ण हैं। वास्तव में जगत का कोना-कोना भगवान की सम्पत्ति है, परंतु दिव्य जगत परम है और छह ऐश्र्य से पूर्ण है।

लोकसभा-अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वासः लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा

ललित गर्ग /

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी लोकतंत्र के लिये एक चिन्ताजनक घटना है। क्योंकि लोकतंत्र केवल शासन की एक प्रणाली नहीं, बल्कि निरंतर संवाद, असहमति के सम्मान और संस्थागत विश्वास पर टिकी हुई एक जीवंत परंपरा है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में संसद इस लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहाँ न केवल नीतियाँ बनती हैं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा बोलती है। ऐसे में जब लोकसभा अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पद के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी की खबरें सामने आती हैं, तो यह घटना किसी एक व्यक्ति या दल तक सीमित न रहकर पूरे लोकतांत्रिक ढांचे पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर देती है। विपक्षी दलों द्वारा यह आरोप लगाया जाना कि उन्हें, विशेषकर नेता प्रतिपक्ष को, सदन में बोलने का समुचित अवसर नहीं मिल रहा, और इसी आधार पर अध्यक्ष की निष्पक्षता पर सवाल उठाना, एक गहरी चिंता का विषय है। यह चिंता इसलिए भी अधिक गंभीर हो जाती है क्योंकि अध्यक्ष का पद परंपरागत रूप से सत्ता और विपक्ष के बीच संतुलन का प्रतीक माना जाता रहा है।

लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका केवल कार्यवाही संचालित करने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह सदन की गरिमा, लोकतांत्रिक मर्यादा और सभी पक्षों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने की संवैधानिक जिम्मेदारी भी निभाते हैं। यदि विपक्ष का

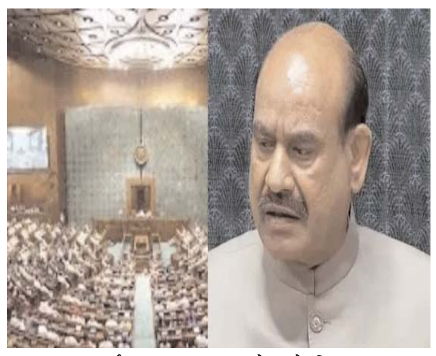

एक बड़ा वर्ग यह महसूस करने लगे कि अध्यक्ष का व्यवहार पक्षपातपूर्ण है या उनकी आवाज को व्यवस्थित रूप से दबाया जा रहा है, तो यह केवल राजनीतिक असंतोष नहीं, बल्कि संस्थागत अविश्वास का संकेत होता है। 100 से अधिक सांसदों द्वारा हस्ताक्षर कर अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी यह दर्शाती है कि मामला क्षणिक आक्रोश का नहीं, बल्कि लंबे समय से पनप रही असहमति और संवादहीनता का परिणाम है। लोकसभा अध्यक्ष सदन के संरक्षक की भूमिका में होते हैं, जिनके प्रति विश्वास जरूरी होता है और उनसे भी निष्पक्षता की उम्मीद की जाती है। हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि संख्या बल के आधार पर इस तरह का प्रस्ताव पारित होना कठिन है, लेकिन लोकतंत्र में कई बार प्रतीकात्मक कदम भी गहरे संदेश देते हैं।

विपक्षी दलों द्वारा यह स्पष्ट करना कि वे टकराव के साथ-साथ सुलह का विकल्प भी खुला रखे हुए हैं, और इसी क्रम में विभिन्न वरिष्ठ नेताओं का अध्यक्ष से मुलाकात कर संवाद का प्रयास करना, इस बात का संकेत है कि अभी भी समाधान की गुंजाइश समाप्त नहीं हुई है। यह स्थिति हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर संसद जैसे सर्वोच्च मंच पर संवाद की जगह हंगामा, नारेबाजी और गतिरोध क्यों हावी होता जा रहा है। क्या यह केवल सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच अविश्वास का परिणाम है, या फिर संसदीय परंपराओं के क्षरण का संकेत? विगत वर्षों में बार-बार यह देखने को मिला है कि महत्वपूर्ण विधेयकों और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर गंभीर चर्चा के बजाय सदन की कार्यवाही बाधित होती रही है। इससे न केवल विधायी कामकाज प्रभावित होता है, बल्कि जनता के बीच यह संदेश भी जाता है कि उनके चुने हुए प्रतिनिधि अपने दायित्वों के प्रति गंभीर नहीं हैं।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि वह असहमति को स्थान देता है। विपक्ष का काम केवल विरोध करना नहीं, बल्कि सरकार को जवाबदेह ठहराना और वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करना भी है। इसके लिए सदन में बोलने का अवसर, प्रश्न पूछने की स्वतंत्रता और आलोचना का सम्मान अनिवार्य है। यदि विपक्ष यह महसूस करता है कि उसके लिए ये रास्ते संकुचित किए जा रहे हैं, तो उसका आक्रोश सड़कों या नारेबाजी के रूप में फूट पड़ता है, जो अंततः संसद की गरिमा को ही नुकसान पहुँचाता है।

आज का राशिफल

मेष राशि-आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज किसी रिश्तेदार से आपकी फोन पर बात होगी, जिससे आपको अच्छा लगेगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। महिलाएं आज ऑनलाइन नई डिश सीखने की कोशिश करेंगी। पिता का सहयोग आपके साथ रहेगा।

वृष राशि-आपके लिए आज का दिन शुभ है। आज आप कामकाज निपटाने में बहुत हद तक सफल रहेंगे। अपनी तरफ से हर मामले पर आपको सकारात्मक रहना होगा। आज धैर्य और विनम्रता रखने से लोग आपसे प्रभावित होंगे।

मिथुन राशि-आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज किसी नए काम को शुरू करने से पहले पूरी योजना बनाएंगे और साथ ही माता-पिता से सलाह लेंगे। आज सरकारी कामों में नीति व नियमों पर पूरा ध्यान देंगे तो आपको काम करने में आसानी होगी।

कर्क राशि-आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करें। आज पुरानी देनदारी निपटा सकते हैं। आज जीवनसाथी की भावनाओं को समझने में बहुत हद तक आपको सफलता मिल सकती है, धैर्य और समझदारी रखें।

सिंह राशि-आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपके कोर्ट-कचहरी के मामले कागज पूरे न होने से कुछ देर के लिए रुक सकते हैं, लेकिन समय रहते सब ठीक होगा। आज आप जो भी व्यापार शुरू करेंगे, उसमें सफलता हासिल होगी। आज आपको किसी दोस्त का भी सहयोग मिलेगा। परिवार वालों का हंसी-मजाक भरा बरताव घर के वातावरण को खुशनुमा बनाये रखेगा साथ ही आपकी निजी लाइफ बेहतर रहेगी। आप नया कारोबार करने की सोच रहे हैं तो किसी अनुभवी की सलाह जरूर लें, आपको अच्छी राय मिलेगी।

कन्या राशि-आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आपको किसी के मामलों में दखल देने से बचना चाहिए। किसी बड़े प्रोजेक्ट में पैसा लगाने की सोच रहे हैं, तो पहले उसके बारे में पूरी जानकारी जरूर कर लें। आज आपके ऊपर परिवार की कुछ जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, जिन्हें आप पूरा करेंगे। सभी लोग आपके द्वारा किए गए कार्यों से काफी खुश नजर आएंगे। छात्र आज अपने करियर को लेकर नई योजना बनाएंगे, बच्चों को सही गाइडेंस की जरूरत है।

तुला राशि-आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल होने के योग बन रहे हैं। आज किसी मामले में दूसरों के साथ बातचीत या सलाह करने से फायदा होगा। जरूरी काम और रिश्तों के बारे में विचार करेंगे और योजना बनाएंगे।

वृश्चिक राशि-आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज रोजमर्रा के कामों में आपको ज्यादा समय लग सकता है। आज कारोबार में पैसा लगाने से पहले बड़ों की राय लेना आपके लिए बेहतर साबित होगी। पिता बच्चों की इच्छाएं पूरी करने की कोशिश करेंगे। आज नई जिम्मेदारी आपको मिलेगी, जिसे आप बखूबी पूरा करने में सफल रहेंगे।

धनु राशि-आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज जो भी काम शुरु करेंगे वो समय पर पूरा हो जायेगा। आपको करियर से संबंधित नए अवसर मिलेगा। नए व्यापार को शुरू करने में बड़े भाई का सहयोग मिलेगा। कॉमर्स के विद्यार्थी आज मार्केटिंग को समझने के लिये शिक्षकों की सहायता लेंगे, जो आपके भविष्य में बेहद काम आएंगी।

मकर राशि-आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज घर के बड़ों की मदद से आपका जरूरी काम पूरा हो जायेगा। किसी रिश्तेदार से आपको अच्छी खुशखबरी मिलेगी। जीवनसाथी आज आपकी हर बात समझने की कोशिश करेंगे, इससे रिश्तों में नयापन आयेगा। सामाजिक कार्यों में सहयोग देने से आपको अच्छा फील होगा। भाई-बहन के साथ घर पर मूवी देखने का प्लान बनाएंगे।

कुंभ राशि-आज आपका मन नई उमंगों से भरा रहेगा। हर व्यक्ति आपसे राय लेना चाहेगा। ऑफिस के लोगों में आपका रुतबा बनेगा। आज आपको आर्थिक रूप से लाभ मिलेगा, धन के नये स्रोत प्राप्त होंगे। छोटे बच्चे आज बहुत खुश रहेंगे, वो अपने लिये नया खेल तलाश करेंगे।

मीन राशि-आज आपका दिन शानदार रहेगा। परिवार के सामने आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा, आपकी योजना से लोग काफी प्रभावित होंगे। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आप अपने घर को डेकोरेशन फेस्टिवल के अनुसार करेंगे। आपको अपनी वाणी पर संयम बनाये रखना चाहिए। किसी बात को लेकर ज्यादा जिद्द करने से बचना चाहिए। बेवजह की उलझनें भी सामने आ सकते हैं, इससे बच कर रहें।

भाजपा में 'नबीन युग' की शुरुआत

अजीत द्विवेदी

भारतीय जनता पार्टी के 12वें अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन की नियुक्ति हो गई है। भाजपा ने संगठन पर्व मना कर उनको अध्यक्ष के पद पर आसीन किया। पिछले महीने 14 दिसंबर को जब उनको कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया उस समय से यह चर्चा चल रही है भाजपा में ये 'नबीन युग' की शुरुआत है। यह एक वर्ड प्ले की तरह है। यहां नए अध्यक्ष के नाम के साथ एक नए युग की शुरुआत का संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन सवाल है कि क्या भाजपा में सचमुच नए अध्यक्ष के साथ नए युग की शुरुआत होगी और दूसरा सवाल यह है कि क्या सचमुच भाजपा का जो अध्यक्ष होता है उसका कोई युग होता है?

भाजपा के अब तक 11 अध्यक्ष हुए हैं लेकिन सबके कार्यकाल को उसके युग के तौर पर नहीं देखा जाता है। 45 साल पहले जब भाजपा बनी तब से मोटे तौर पर दो ही युग रहे। एक अटल-आडवाणी का युग था और अब मोदी-शाह का युग है। बाकी इनके बीच संक्रमण का काल रहा है। सो, भाजपा में यह मोदी-शाह के युग की ही निरंतरता है। हां, उसमें नितिन नबीन को अपने आप को साबित करना है। उनका कार्यकाल इस बात से साबित होगा कि वे आगे बढ़ कर कितनी चुनौतियां स्वीकार करते हैं और उसको पूरा करने में किस तरह की भूमिका निभाते हैं।

निश्चत रूप से नए अध्यक्ष का चुनाव भाजपा के नए दौर की या नए युग की शुरुआत नहीं है, बल्कि मोदी-शाह युग की निरंतरता है। इसलिए संगठन का कामकाज पहले की तरह ही चलता रहेगा। फिर भी नितिन नबीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने का एक बड़ा संदेश आगे की राजनीति के लिए है। भाजपा ने दिखाया है कि वह आगे की राजनीति के लिए किसी तरह का प्रयोग करने का जोखिम उठाने को तैयार रहती है। यह मामूली फैसला नहीं था कि, जिस नेता के पास संगठन का सामान्य से ज्यादा कोई अनुभव न हो, जिसने पार्टी के राष्ट्रीय संगठन में कोई भूमिका नहीं निभाई हो और अपने राज्य में भी अपने चुनाव क्षेत्र से बाहर की राजनीति में बहुत सीमित काम

किया हो उसको सीधे राष्ट्रीय अध्यक्ष बना दिया जाए। भाजपा ने यह किया तो इसका एक बड़ा संदेश भाजपा के नेताओं के लिए था तो साथ साथ राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के लिए भी था।

याद करें कि पिछले तीन साल में राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर कितने तरह के कयास लगाए जा रहे थे। जून 2024 में लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटें कम होकर 240 पर आने के बाद कैसे कहा जा रहा था कि अब राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ तय करेगा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा। संघ की पसंद के तौर पर भाजपा के कई दिग्गज नेताओं के नाम की चर्चा हो रही थी। मोदी और शाह की पसंद के तौर पर भी आधा दर्जन से ज्यादा नेताओं के नाम की चर्चा हो रही थी। लेकिन न तो जिनको संघ की पसंद बताया जा रहा था वे अध्यक्ष बने और न जो बड़े अनुभवी और संगठन से जुड़े नेता थे वे बने। तभी नितिन नबीन का अध्यक्ष बनना एक चुनौतीपूर्ण और जोखिम वाला फैसला भी है।नितिन नबीन से ज्यादा चुनौती मोदी और शाह की इसलिए है क्योंकि आगे के चुनाव नतीजों और संगठन के कामकाज के लिए जिम्मेदारी उनके ऊपर ही आयद होगी। इस साल पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। उनकी सफलता और विफलता का आकलन नितिन नबीन के कामकाज से नहीं होगा। भाजपा जीतती है तो उसका श्रेय जरूर नितिन नबीन को भी मिल सकता है लेकिन हार का ठीकरा उनके ऊपर नहीं फूटेगा। न तो विपक्ष उनको जिम्मेदार ठहराएगा और न भाजपा के नेता और कार्यकर्ता उनको जिम्मेदार मानेंगे। संगठन के मामले में मोदी और शाह के अब तक के ज्यादातर फैसले मास्टरस्ट्रोक साबित होते रहे हैं या यूं कहें कि लगातार चुनावी कामयाबी मिल रही है इसलिए संगठन में किसको कहां बैठाया गया यह ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं रह जाता है। यह बात मोटे तौर पर पार्टी संगठन के पदाधिकारियों, प्रदेश अध्यक्षों और भाजपा शासित राज्यों के ज्यादातर मुख्यमंत्रियों के बारे में भी सही है। क्योंकि हर जगह चुनाव मोदी और शाह ही लड़ते दिखते हैं।

आने वाले दिनों में भाजपा की इस राजनीति की निरंतरता बनी रहेगी। अब जो काम जेपी नड्डा करते थे वह काम नितिन नबीन करेंगे। गुणात्मक रूप से कुछ भी बदलने नहीं जा रहा है। प्रतीकात्मक रूप से कुछ संदेश जरूर जाएंगे। जैसे एक संदेश अगड़ी जाति के नेता को अध्यक्ष बनाने का है। पिछले 20 साल से भारतीय जनता पार्टी अगड़ा अध्यक्ष चुनती रही है। नितिन नबीन का चुना जाना उस नीति की भी निरंतरता है। नितिन नबीन के जरिए इसका संदेश पूरे देश में होगा। एक प्रतीकात्मक संदेश पश्चिम बंगाल में भी होगा, जहां ब्राह्मण और कायस्थ भद्रलोक पहले लेफ्ट का समर्थक था और अब ममता बनर्जी का समर्थक है।नितिन नबीन के जरिए दूसरा संदेश युवाओं का है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके अध्यक्ष चुने के बाद के भाषण में कहा कि नितिन नबीन मिलेनियल युवा हैं। उनका जन्म उस साल हुआ था, जिस साल भाजपा का गठन हुआ था। यानी भाजपा के साथ ही 1980 में उनका जन्म हुआ। हालांकि 45 साल का अध्यक्ष बनना भी भाजपा के लिए कोई आश्चर्य की बात नहीं है। अटल बिहारी वाजपेयी जब पहली बार भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष बने थे तब उनकी उम्र 44 साल थी। अमित शाह भी 49 साल की उम्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष बने थे और नितिन गडकरी जब अध्यक्ष बने थे तब उनकी उम्र 52 साल थी

इस निरंतरता के बावजूद नितिन नबीन के जरिए भाजपा के कार्यकर्ताओं और नेताओं को यह बताया गया है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष या किसी भी बड़े पद पर पहुंचने के लिए उम्र, अनुभव या पृष्ठभूमि बहुत अहम नहीं है।

डिजिटल अरेस्ट का खौफः रिटायर्ड कैग अफसर को 18 दिन घर में कैद रखकर ठगे 2.13 करोड़; ऐसे बनाया शिकार

गुड़गांव (आरएनएस)। साइबर सिटी गुड़गांव में ठगी का एक बेहद चौंकाने वाला और सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां साइबर अपराधियों ने एक सेवानिवृत्त कैग (CAG) अधिकारी और उनकी पत्नी को निशाना बनाते हुए मनी लॉन्ड्रिंग के फर्जी मामले में फंसाने का डर दिखाया। शातिर ठगों ने बुजुर्ग दंपति को 18 दिनों तक 'डिजिटल अरेस्ट' में रखा और गिरफ्तारी का खौफ दिखाकर उनकी जिंदगी भर की कमाई यानी कुल 2.13 करोड़ रुपये ठग लिए। पीड़ित की शिकायत पर साइबर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

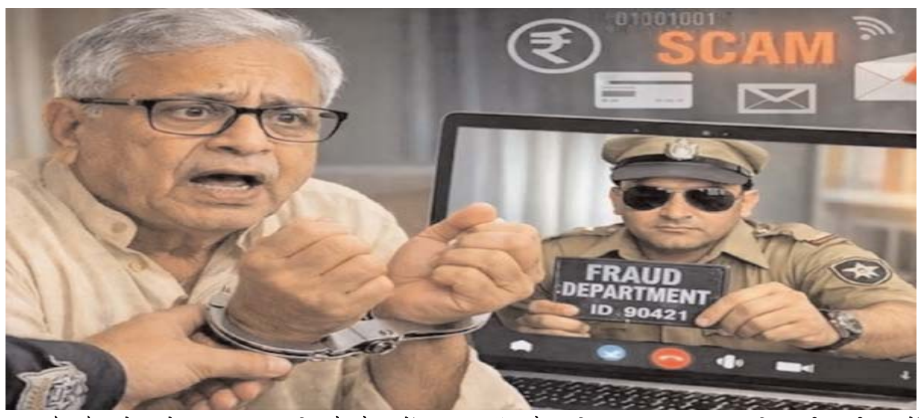

CBI और मुंबई क्राइम ब्रांच का अफसर बनकर डराया

सेक्टर-64सी के रहने वाले पीड़ित इंद्र कुमार ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि इस खौफनाक सिलसिले की शुरुआत 13 जनवरी को हुई। उनके पास व्हाट्सएप पर एक कॉल आई, जिसमें कॉल करने वालों ने खुद को सीबीआई, ईडी और मुंबई क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताया। ठगों ने उनसे कहा कि उनका नाम मनी लॉन्ड्रिंग के एक बड़े मामले से जुड़ा है और नरेश गोयल नामक व्यक्ति के केस में 20 लाख रुपये की संदिग्ध लेनदेन की बात कही गई। यहीं से डराने-धमकाने का खेल शुरू हुआ।

वीडियो कॉल के जरिए 24 घंटे रखी नजर, घर से निकलने पर थी पाबंदी

ठगों का जाल इतना गहरा था कि उन्होंने पीड़ित दंपति को घर के अंदर ही 'डिजिटल अरेस्ट' कर लिया। आरोपियों ने स्काइप और व्हाट्सएप वीडियो कॉल के जरिए उन पर लगातार निगरानी रखी। उन्हें डराने के लिए फर्जी लेटरहेड पर ईडी, सीबीआई और सुप्रीम कोर्ट के दस्तावेज दिखाए गए, जिनमें गिरफ्तारी वारंट और संपत्ति जब्त करने के आदेश का जिक्र था। ठगों ने उन्हें किसी से भी बात करने या घर से बाहर निकलने तक से मना कर दिया था, जिससे दंपति बुरी तरह दहशत में आ गया।

डर के मारे खाली कर दिए बैंक खाते

लगातार 18 दिनों तक चले इस मानसिक दबाव और गिरफ्तारी के डर के कारण पीड़ित टूट गए। घबराहट में उन्होंने अपनी गाढ़ी कमाई अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर कर दी। इंद्र कुमार ने कुल 2 करोड़ 13 लाख 16 हजार रुपये ठगों के बताए खातों में भेज दिए। जब काफी दिन बीत जाने के बाद भी दबाव कम नहीं हुआ, तो उन्हें ठगी का अहसास हुआ और उन्होंने 9 फरवरी को साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने शुरू की खातों की जांच

साइबर क्राइम थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर उन बैंक खातों की पड़ताल शुरू कर दी है जिनमें पैसे ट्रांसफर किए गए थे। पुलिस आरोपियों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने आम जनता के लिए एडवाइजरी भी जारी की है कि कोई भी जांच एजेंसी वीडियो कॉल पर पूछताछ या पैसों की मांग नहीं करती। ऐसे किसी भी कॉल या मैसेज पर भरोसा करने के बजाय तुरंत पुलिस को सूचना दें।

मोतिहारी में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो पेड़ से टकराई, तीन की मौत

मोतिहारी(आरएनएस)। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में मंगलवार की देर रात एक भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। ये सभी लोग शादी समारोह में भाग लेने जा रहे थे। सभी एक ही परिवार के सदस्य थे। पुलिस के मुताबिक, यह हादसा घोड़ासहन थाना क्षेत्र के ढाका-घोड़ासहन मुख्य पथ पर महादेवा के समीप हुआ, जहां एक अनियंत्रित स्कॉर्पियो पेड़ से जा टकराई। इस घटना में वाहन सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति के घायल होने की सूचना है। बताया जा रहा है कि राजेपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले विनोद प्रसाद के पुत्र का विवाह घोड़ासहन के एक मैरिज हॉल में तय था। विनोद प्रसाद अपने चचेरे भाई अनिल प्रसाद और गांव के उपमुखिया गजेंद्र दास के साथ स्कॉर्पियो से बारात में शामिल होने जा रहे थे।

जानकारी के मुताबिक, महादेवा के पास सामने से आ रही एक तेज रफ्तार गाड़ी को बचाने की कोशिश में स्कॉर्पियो चालक ने नियंत्रण खो दिया और गाड़ी सीधे एक पेड़ से जा टकराई। इस घटना में स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए। इस घटना में विनोद प्रसाद, अनिल प्रसाद और गजेंद्र दास की मौत हो गई।

सुनील जाखड़ का आरोप- मोगा में प्रवासी मजदूरों को साजिश के तहत टारगेट किया गया

चंडीगढ़ (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पंजाब इकाई के प्रमुख सुनील जाखड़ ने मोगा जिले में प्रवासी मजदूरों पर हुए हमले की घटना की निंदा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोगा में बाहर से आए मजदूरों को साजिश के तहत टारगेट किया गया। पंजाब भाजपा के अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, पहले पंजाब में बिजनेसमैन को टारगेट किया जा रहा था, जिसकी वजह से यहां कोई नई इंडस्ट्री आने को तैयार नहीं हो रही थी। अब मोगा में बाहर से आए मजदूरों को साजिश के तहत टारगेट करने की घटना हुई है। यह बहुत निंदनीय है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग पिछले कुछ समय से इस विषय पर समाज में जहर फैला रहे हैं। सुनील जाखड़ ने कहा कि यह पंजाबियत नहीं है। यह गुरु साहिबों के दिखाए रास्ते के बिल्कुल उलट है।

सुनील जाखड़ ने आगे लिखा, इन प्रवासी मजदूरों का भी पंजाब की इंडस्ट्री और खेती में बहुत बड़ा योगदान है। भगवंत मान सरकार को अपनी नींद से जागना चाहिए और समाज में फूट डालने वाली और लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति को बिगाड़ने वाली ताकतों के खिलाफ एक्शन लेने की हिम्मत दिखानी चाहिए।

प्रवासी मजदूरों पर मंगलवार सुबह मोगा जिले के खोसा जलाल गांव में हमला हुआ। बताया जाता है कि वे लंच ब्रेक में खाना खाने जा रहे थे। एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन लोगों ने प्रवासी मजदूरों पर बिना किसी उकसावे के गोलियां चलाईं।

गरीबों को बेघर कर दिया, अब बजट किसके लिए?, यूपी बजट पर रामगोपाल यादव का तंज

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के बजट को लेकर समाजवादी पार्टी के नेता और राज्यसभा सदस्य रामगोपाल यादव ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा। रामगोपाल यादव ने बजट पर सवाल उठाते हुए आईएएनएस से कहा, वहां से किस तरह का अच्छा बजट आने की उम्मीद की जा सकती है? वहां किस तरह के अर्थशास्त्री मुख्यमंत्री बैठे हैं? उन्होंने सरकार की आर्थिक समझ और नीतियों पर व्यंग्य करते हुए कहा कि जनता को इससे कोई खास लाभ मिलने वाला नहीं है। रामगोपाल यादव ने आगे आरोप लगाया कि राज्य सरकार पहले ही गरीबों को उनके घरों से बेघर कर चुकी है। उन्होंने कहा, जब गरीबों को उनके घरों से हटा दिया गया है, तो अब यह बजट किसके लिए लाया जा रहा है? सपा विधायक संग्राम सिंह ने यूपी बजट 2026 पर कहा, हम सब उम्मीद किए हैं कि बजट किसानों के हित में होगा, छात्रों और नौजवानों के हित में होगा। भाजपा ने जो वादा किया था कि स्वास्थ्य सेवाएं को विश्व स्तर पर लाएंगे, वह अभी दिख नहीं रहा। बजट से जो पूर्व पूर्वानुमान आए हैं, उसमें कुछ दिख नहीं रहे। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कहा, पेपरलेस विधानसभा में एक बार फिर कागज का बजट पेश किया जाएगा। बजट में कोई विजन नहीं होगा। यह सिर्फ धोखा होगा। उन्होंने आगे कहा कि छात्र, किसान, नौजवान और पीड़ित लोग इनसे उब चुके हैं और मन बना लिए हैं कि आगामी चुनाव में हम इन्हें हराएंगे और पीडीए की सरकार बनाएंगे।

कांग्रेस सांसदों ने लोकसभा स्पीकर के चैंबर में घुसकर गाली-गलौच की : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली (आरएनएस)। संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में जारी गतिरोध के बीच अब स्पीकर के चैंबर में कथित हंगामे को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने आरोप लगाया है कि 20 से 25 कांग्रेस सांसद लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के चैंबर में जबरन घुसे और उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। रिजिजू ने कहा कि वह खुद उस समय मौके पर मौजूद थे और स्पीकर इस घटना से बेहद आहत हैं। उनके अनुसार, प्रियंका गांधी वाड्रा और केसी वेणुगोपाल सहित कांग्रेस के कुछ वरिष्ठ नेता भी वहां मौजूद थे। उन्होंने आरोप लगाया कि स्पीकर के प्रति आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया और स्थिति को और उकसाया गया। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि सदन की कार्यवाही नियमों से चलती है और बिना चेयर की अनुमति के कोई भी सदस्य नहीं बोल सकता। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि संसद में आचरण और नियमों का पालन सभी के लिए अनिवार्य है, चाहे वह प्रधानमंत्री हों या अन्य कोई सदस्य। रिजिजू ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से अपील की कि वे अपने नेताओं को संसदीय मर्यादा का पालन करने की सलाह दें। उन्होंने कहा कि संसद बच्चों की तरह व्यवहार करने की जगह नहीं है और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों को राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

बाएं से, डॉ. (प्रो.) ए के भल्ला, डॉ. जयश्री सूद, डॉ. अजय स्वरूप, डॉ. अजय शर्मा और डॉ. विपिन त्यागी, नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान।

सरकार का बड़ा फैसला, 3 घंटे में हटेगा डीपफेक और एआई कंटेंट, नए नियम जारी

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत सरकार ने डीपफेक सहित एआई (AI) से तैयार की गई सामग्री को लेकर नियमों को और सख्त कर दिया है। नए संशोधित सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 (Information Technology Rules, 2021) के अनुसार अब बड़े ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स को अदालत या सरकारी निर्देश पर AI/Deepfake सामग्री को 3 घंटे के भीतर हटाना अनिवार्य होगा। यह नियम 20 फरवरी 2026 से प्रभावी होंगे। सरकार का उद्देश्य सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर फैलने वाली गलत, भ्रामक और हानिकारक सामग्री विशेषकर जो AI तकनीक से तैयार की जा रही है उस पर तेजी से नियंत्रण रखना है।

बदल गए समयसीमा के नियम

पहले प्लेटफॉर्म्स को सरकारी या न्यायालय के आदेश पर कंटेंट हटाने के लिए 36 घंटे का समय दिया जाता था। अब इस समयसीमा को केवल 3 घंटे तक घटा दिया गया है, ताकि गलत जानकारी और भ्रामक AI सामग्री से होने वाले खतरों को जल्दी से रोका जा सके। साथ ही, उपभोक्ता

शिकायतों के निवारण के लिए निर्धारित समयसीमा को भी कम कर दिया गया है, ताकि यूजर द्वारा रिपोर्ट की गई समस्याओं का निपटारा तेज़ी से हो सके।इन नए नियमों से कुछ चीजों को बाहर रखा गया है जैसे कि सामान्य संपादन, किसी सामग्री को बेहतर बनाने और नेक नीयत से किए गए शैक्षिक या डिजाइन कार्यों को फिलहाल बाहर रखा गया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने अधिसूचना में इस बात की जानकारी दी है कि प्रमुख परिवर्तनों में बनावटी सामग्री को सूचना के रूप में मानना शामिल है।

आईटी नियमों के तहत गैरकानूनी कार्यों के निर्धारण के लिए एआई कंटेंट को अन्य सूचनाओं के समान माना जाएगा।

नियमों के तहत एआई कंटेंट की अनिवार्य रूप से लेबलिंग जरूरी है। बनावटी कंटेंट बनाने या शेयर करने की सुविधा देने वाले प्लेटफॉर्म को यह सुनिश्चित करना होगा कि ऐसी सामग्री पर स्पष्ट रूप से और प्रमुखता से लेबल लगाया जाए। जहां तकनीकी रूप से संभव हो, वहां इसे स्थायी मेटाडेटा या पहचानकर्ताओं के साथ जोड़ा जाना चाहिए। अधिसूचना में इस बात की भी जानकारी दी गई है कि इंटरमीडियरीज (प्लेटफॉर्म) एक बार एआई लेबल लगाए जाने के बाद उन्हें छिपाने या फिर हटाने की परमिशन नहीं दे सकते हैं।

बंगाल में बाबरी मस्जिद का निर्माण कार्य : हुमायूं कबीर ने कहा- लोग अपना धर्म मानने के लिए आजाद

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के अल्पसंख्यक बहुल मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद के निर्माण कार्य में ईंटें लेकर पहुंच रहे हैं, जिसकी योजना जनता उन्नयन पार्टी के अध्यक्ष और विधायक हुमायूं कबीर ने बनाई थी। कबीर के एक करीबी सहयोगी ने बताया कि कार्यक्रम बुधवार को दोपहर 12 बजे से 1 बजे के बीच शुरू हो रहा है। इसके बाद गुरुवार से बाबरी मस्जिद के लिए रैली शुरू होगी। यह रैली नादिया जिले के पलाशी से 100 वाहनों के साथ शुरू होगी। प्रत्येक वाहन में चालक सहित छह लोग होंगे। इस प्रकार इस रैली में कुल 600 लोग भाग लेंगे। यह रैली उत्तरी दिनाजपुर जिले के पलाशी से इटाहार तक कुल 265 किलोमीटर की दूरी तय करेगी।रैली आयोजित करने की आवश्यकता बताते हुए कबीर ने कहा कि चूंकि कई स्वार्थी तत्व बेलडांगा में बाबरी मस्जिद के निर्माण के बारे में गलत सूचना फैला रहे थे, इसलिए इस रैली का उद्देश्य लोगों को इस निर्माण के बारे में सूचित करना था।जनता उन्नयन पार्टी के अध्यक्ष हुमायूं कबीर ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए बताया, निर्माण कार्य तीन साल के भीतर पूरा हो जाएगा। इस ढांचे के निर्माण में लगभग 55 करोड़ रुपए की लागत आएगी। मस्जिद के द्वार की ऊंचाई 14 मीटर होगी। इसकी चौड़ाई 5 मीटर होगी। अकेले द्वार के निर्माण की अनुमानित लागत लगभग 5 करोड़ रुपये होगी।

उत्तर प्रदेश : वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने 9,12,696 करोड़ रुपए का बजट पेश किया

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश विधानसभा में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बुधवार को वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 9 लाख 12 हजार 696 करोड़ 35 लाख (9,12,696.35 करोड़ रुपए) का बजट पेश किया। इस बजट में 43,565.33 करोड़ रुपए की नई योजनाएं सम्मिलित हैं। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने विधानसभा में बजट पेश किया। उन्होंने बताया कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने और किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाओं के लिए प्रावधान किए गए हैं। तकनीक आधारित विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में नई और उभरती टेक्नोलॉजी मिशन की स्थापना की घोषणा की गई है। इसके साथ ही राज्य में डेटा अथॉरिटी और डेटा सेंटर क्लस्टर्स स्थापित किए जाएंगे। सुरेश खन्ना ने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को प्रोत्साहन देने के लिए एआई मिशन और टेक युवा समर्थ युवा योजना शुरू की जाएगी, जिसके जरिए युवाओं को उभरती तकनीकों में प्रशिक्षण और अवसर उपलब्ध कराने की योजना है। ऊर्जा क्षेत्र में डीजल आधारित नलकूपों को चरणबद्ध तरीके से सौर ऊर्जा आधारित करने का प्रावधान किया गया है। वहीं, कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्रों की क्षमता बढ़ाकर युवाओं को रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण देने पर जोर रहेगा।

उन्होंने सदन को जानकारी दी कि उद्योग और तकनीक में निवेश के साथ ही प्रदेश में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए किए गए प्रयासों के फलस्वरूप उत्तर प्रदेश राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर स्टार्टअप रैंकिंग में लीडर श्रेणी की रैंकिंग हासिल हुई है।वित्त मंत्री ने कहा कि कृषि क्षेत्र में प्रदेश देश में अग्रणी स्थिति में है। उन्होंने बताया कि गेहूं और आलू उत्पादन में उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है। किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को वैश्विक बाजार से जोड़ने के उद्देश्य से राज्य में एग्रीकल्चर एक्सपोर्ट हब विकसित किए जाएंगे।वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य में प्रति व्यक्ति आय में निरंतर वृद्धि दर्ज की गई है और निवेश का प्रवाह तेज हुआ है। औद्योगिक गतिविधियों में तेजी से आर्थिक परिदृश्य मजबूत हुआ है।

हरियाणा में खेल ढाँचे की दुर्दशा के कारण हमारे खिलाड़ियों की जान तक जा रहीः दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़ (आरएनएस)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि जिस हरियाणा प्रदेश के खिलाड़ी देश को 50 प्रतिशत से अधिक मेडल दिलाते हों, क्या वह कॉमनवेल्थ खेल 2030 की मेजबानी का हकदार नहीं? इससे भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि हरियाणा सरकार ने इसकी मेजबानी या सह-मेजबानी के लिए कोई प्रस्ताव भी नहीं भेजा। उन्होंने कहा कि पूरे देश ने देखा कि आज हरियाणा में खेल ढाँचे की इतनी दुर्दशा है कि खेल के मैदान में प्रैक्टिस करते हुए हमारे खिलाड़ियों की जान तक जा रही है। कॉमनवेल्थ खेल 2030 व ओलंपिक 2036 में हरियाणा को कम से कम को-होस्ट राज्य बनाने से लाखों करोड़ के बजट में से हरियाणा के खेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी कुछ खर्च हो पाएगा। लोकसभा में सांसद सांसद वरुण चौधरी के सवाल के जवाब से खुलासा हुआ कि हरियाणा की बीजेपी सरकार ने वर्ष 2030 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के मेजबान या सह मेजबान के रूप में हरियाणा को शामिल करने का कोई प्रस्ताव तक नहीं भेजा। सांसद वरुण चौधरी ने कहा कि हरियाणा की बीजेपी सरकार प्रदेश के हितों की बात रखने में बार-बार विफल साबित हो रही है।

उन्होंने कहा कि पानी, पूरी राजधानी, अलग उच्च न्यायालय, विधानसभा भवन के लिये स्थान, ग्रुप ए और बी में हरियाणा के युवाओं को रोजगार, कुछ भी नहीं मिल रहा है और अब पूरे विश्व में भारत माता का नाम रौशन करने वाले हरियाणा के खिलाड़ियों को ध्यान में रखते हुए 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेज़बानी या सह मेजबानी, जो हरियाणा प्रदेश में होनी चाहिये थी वह भी, हरियाणा में नहीं हो रही।

हरियाणा सरकार ने भारत सरकार को इसके लिये प्रस्ताव तक भेजना उचित नहीं समझा और भारत सरकार ने भी हरियाणा को नजरअंदाज़ किया है। चारों सांसद - सांसद जय प्रकाश 'जेपी', सांसद दीपेन्द्र हुड्डा, सांसद वरुण चौधरी एवं सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने राष्ट्रमंडल खेल 2030 के मेजबान या सह-मेजबान के रूप में हरियाणा को शामिल करने की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेज़बानी अथवा सह मेज़बानी के लिए हरियाणा सरकार तुरंत प्रस्ताव करे और भारत सरकार इस प्रस्ताव पर पुनर्विचार करे। हरियाणा को उसका हक मिलना ही चाहिए।

इससे पहले भी चारों सांसदों ने संसद परिसर में 'ओलंपिक व कॉमनवेल्थ खेल हरियाणा में हो' के नारे लिखी तख्तियाँ लेकर संसद परिसर में नारा लगाकर प्रदर्शन किया था। सांसद जय प्रकाश जेपी ने कहा कि देश की कुल आबादी के 2% आबादी वाले हरियाणा की ओलंपिक खिलाड़ियों के दल में 21% हिस्सेदारी है और देश को मिलने वाले मेडल में लगभग 50% भागीदारी है। फिर भी सरकार हरियाणा के लिए खेलो इंडिया में न के बराबर बजट दे रही है।

कानपुर बैंक वायरल वीडियो : महिला कर्मचारी आस्था सिंह की सफाई, कहा- जांच होनी चाहिए

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के कानपुर स्थित एचडीएफसी बैंक की एक शाखा से एक महिला कर्मचारी और ग्राहक के बहस का वीडियो पिछले दिनों वायरल हुआ था। मंगलवार को कर्मचारी ने घटना पर अपना पक्ष रखते हुए जांच की मांग की। आस्था सिंह ने आईएएनएस से बात करते हुए बताया कि यह घटना 6 जनवरी को हुई थी और इसमें बैंक की एक कर्मचारी का पति शामिल था। आस्था सिंह ने कहा, यह घटना 6 जनवरी की है। इसमें हमारे बैंक की एक कर्मचारी का पति शामिल है। मैं स्वयं इसकी जांच की मांग कर रही हूं। इससे पहले, हमारे बैंक कर्मचारी का पति आया था और उसने अपशब्दों का प्रयोग किया था।

घटनाक्रम को समझाते हुए उन्होंने कहा कि उनका एक महिला कर्मचारी के साथ संक्षिप्त विवाद हुआ था, जो जल्दी ही समाप्त हो गया।

आस्था ने कहा, मेरा एक छोटा सा विवाद हुआ था और वह विवाद लगभग एक मिनट तक चला और वहीं समाप्त हो गया।

उन्होंने आगे दावा किया कि यह मुद्दा कार्यभार सौंपने की प्रक्रिया को लेकर उठा था और कॉर्पोरेट प्रक्रियाओं में समय लगता है और उन्हें तुरंत पूरा नहीं किया जा सकता है। आस्था सिंह ने बताया, समस्या यह थी कि जब आप किसी कंपनी में शामिल होते हैं या उसे छोड़ते हैं, तो औपचारिकताएं बहुत लंबी होती हैं। जब आप कैशियर के रूप में काम कर रहे होते हैं, तो आपको चाबियां सौंपने और सभी बुनियादी औपचारिकताएं पूरी करने की जिम्मेदारी होती है।

आकांक्षा चमोला ने अपने ग्लैमरस अवतार से इंटरनेट पर लगाई आग

बिग बॉस 19 के विनर गौरव खन्ना की पत्नी आकांक्षा चमोला इन दिनों खूब लाइमलाइट बटोर रही हैं. बिग बॉस 19 में सिर्फ एक दिन के लिए आने के बाद से ही आकांक्षा ट्रोलिंग क्वीन बन गई हैं. पहले वह मां नहीं बनने के फैसले पर ट्रोल हुई थीं और फिर वह अपने नए प्रोजेक्ट की वजह से लोगों के निशाने पर आ गई. इन सबके बीच, आकांक्षा अपनी बिंदास लाइफ जी रही हैं. उन्होंने अपनी कुछ नई फोटोज से सोशल मीडिया पर हंगामा मचा दिया है. एक-एक फोटो पर फैंस कमेंट कर रहे हैं.आकांक्षा चमोला ने अपनी नई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं. जिसमें वह रेड वाइन बनी हुई दिख रही हैं. इन फोटोज में आकांक्षा ने लाल रंग का गाउन पहना है, जो ऑफ शोल्डर है.आकांक्षा चमोला अपनी इस तस्वीर में खिलखिलाकर मुस्कुरा रही हैं. एक्ट्रेस की स्माइल इस फोटो में चार चांद लगाने का काम कर रही हैं और उनकी छोटी चोटी आंखें काफी क्यूट लग रही हैं.आकांक्षा चमोला ने अपने लुक को परफेक्ट रखा है. एक्ट्रेस ने रेड गाउन के साथ गोल्डन नेकपीस कैरी किया, जो काफी यूनिका दिखा और बालों को कर्ली करवाए. इस लुक में वह काफी क्यूट लगीं. आकांक्षा ने मिनिमल मेकअप से अपने लुक को एलिगेंट बनाने के काम किया.आकांक्षा इन दिनों काफी ट्रोल हो रही हैं लेकिन उनकी इन फोटोज से साफ है कि एक्ट्रेस को ट्रोलिंग से कोई फर्क नहीं पड़ रहा. वह अपनी जिंदगी से काफी खुश हैं और आराम से अपनी लाइफ को एन्जॉय कर रही हैं.आकांक्षा चमोला ने इन फोटोज पर खास कैप्शन लिखा है. उन्होंने इस फोटोज के साथ रेड रोज लगाए हैं. एक्ट्रेस ने बहुत ही प्यार के साथ अपने ट्रोलर्स को जवाब दिया है, जिससे उनकी बोलती बंद हो गई.आकांक्षा चमोला की ये फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं. इन फोटोज पर फैंस भर-भरकर प्यार लुटा रहे हैं. कई सारे फैंस ने हार्ट इमोजी भेजे हैं और कुछ फैंस फायर के इमोजी लगा रहे हैं. फैंस ने आकांक्षा को सबसे ज्यादा सुंदर बताया है.

आकांक्षा चमोला विवादों में हैं. आकांक्षा ने नेशनल टीवी पर कहा था कि उन्हें बच्चों की जिम्मेदारी नहीं चाहिए क्योंकि वह नहीं मानती कि वह इस जिम्मेदारी को उठा सकती हैं. इस पर वह काफी ट्रोल हुई. गौरव खन्ना कई बार अपनी पत्नी का बचाव कर चुके हैं, लेकिन आकांक्षा को ट्रोलिंग से कोई फर्क नहीं पड़ता.

००

कोंकणा सेन शर्मा की साइकोलोजिकल थ्रिलर फिल्म एक्यूज्ड की रिलीज तारीख जारी, 27 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर देगी दस्तक

ओटीटी पर एक से बढ़कर एक सीरीज उपलब्ध हैं, जिन्हें दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। क्राइम-थ्रिलर से लेकर कॉमेडी तक, ओटीटी पर हर तरह का कंटेंट मौजूद है। अब जल्दी ही डिजिटल दुनिया में एक और शानदार सीरीज जल्दी ही दस्तक देने वाली है, जिसकी चर्चा जोरों पर है। हम बात कर रहे हैं कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा स्टारर अक्यूज्ड की, जो एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर है। कोंकणा हिंदी सिनेमा की सबसे शानदार अभिनेत्रियों में से हैं और एक से बढ़कर एक फिल्मों और सीरीज में नजर आ चुकी हैं। अब कोंकणा साइकोलॉजिकल थ्रिलर अक्यूज्ड में नजर आएंगी। हाल ही में अक्यूज्ड का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया गया था, जिसमें कोंकणा सेन शर्मा एकदम अलग ही अंदाज नजर आईं। पोस्टर के जारी होते ही दर्शकों के दिलों की धड़कनें भी बढ़ गईं। इसी के साथ निर्माताओं ने इसकी रिलीज डेट भी जारी कर दी है। ओटीटी प्लेटफॉर्म ने एक पोस्ट शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- मीरा अपनी सपनों भरी जिंदगी जी रही है। क्या एक राज़ उसकी जिंदगी को बुरे सपने में बदल देगा ? कोंकणा सेनशर्मा और प्रतिभा रान्टा अभिनीत फिल्म एक्यूज्ड 27 फरवरी को नेटफिलक्स पर रिलीज हो रही है।बता दें, ये नया साइकोलॉजिकल थ्रिलर 27 फरवरी 2027 को नेटफ्लिक्स पर ऑनलाइन स्ट्रीम की जाएगी। नेटफ्लिक्स इंडिया ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर अक्यूज्ड का फर्स्ट लुक पोस्टर और टीजर जारी किया था, जिसके साथ रिलीज डेट का भी ऐलान

किया, जिसमें प्रतिभा रांटा और कोंकणा सेन शर्मा की झलक देखने को मिली थी। ये टीजर देखते ही फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं रहा और कई ने तो पोस्ट पर कमेंट करते हुए इसे लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर करना भी शुरू कर दिया।कोंकणा सेन शर्मा पिछले दिनों मेट्रो... इन दिनों को लेकर सुर्खियों में थीं, जिसमें वह पंकज त्रिपाठी के अपोजिट नजर आई थीं। फिल्म में उन्होंने काजोल की भूमिका निभाई थी। इसके अलावा वह किलर सूप और सर्च: द नैना मर्डर केस को लेकर भी सुर्खियों में रहीं। वहीं उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट्स में वह अक्यूज्ड को लेकर चर्चा में हैं। प्रतिभा रांटा की बात करें तो वह 2024 में लापता लेडीज को लेकर काफी सुर्खियों में रहीं, जिसमें उन्होंने जया की भूमिका निभाई थी। इसके अलावा हीरामंडी में भी अपने अभिनय से उन्होंने खूब सुर्खियां बटोरीं।

विश्वक सेन की फिल्म फंकी का तीसरा गाना यमा यम्मा आउट, 13 फरवरी को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

विश्वक सेन की आने वाली फिल्म फंकी के मेकर्स ने फिल्म का तीसरा सिंगल, यामा यम्मा रिलीज़ कर दिया है। यह एक हाई एनर्जी वाला मास नंबर है जो दर्शकों को ज़रूर पसंद आएगा। देव पवार ने इस गाने के बोल लिखे हैं, जिसमें भीम सेसिरोलियो और रोहिणी सोरट ने अपनी दमदार आवाज़ दी है, और म्यूज़िक भी भीम सेसिरोलियो ने ही कंपोज़ किया है।यह ट्रैक ज़बरदस्त बीट्स और एनर्जेटिक डांस मूव्स से भरा है, जिसे आटा संदीप मास्टर ने कोरियोग्राफ किया है, जो इसे मास गानों के फैंस के लिए एक शानदार ट्रीट बनाता है। इस गाने में विश्वक सेन और कायाडू लोहार नज़र आ रहे हैं, जो फंकी एल्बम का हिस्सा है। एल्बम के पहले दो सिंगल पहले ही बड़े हिट हो चुके हैं, और यामा यम्मा इस मोमेंटम को और बढ़ा रहा है, जिससे फिल्म का म्यूज़िकल बज और मज़बूत हो रहा है।

जिंदगी न मिलेगी दोबारा 2 के साथ फिर मचेगा धमाल, सीक्वल पर आई ये जानकारी

साल 2011 में रिलीज फिल्म जिंदगी न मिलेगी दोबारा अपने सीक्वल को लेकर काफी समय से चर्चा में है। फिल्म निर्माता जोया अख्तर एक बार फिर अपनी पसंदीदा तिकड़ी ऋतिक रोशन, फरहान अख्तर और अभय देओल को पर्दे पर वापस लाने की तैयारी कर रही हैं। बताया जाता है कि उन्होंने बहुप्रतीक्षित सीक्वल का पहला ड्राफ्ट पूरा कर लिया है। इस खबर ने फैंस की खुशी को सांतवें आसमान पर पहुंचा गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सीक्वल में ऋतिक, फरहान और अभय के किरदार 40 की उम्र में दिखाए जाएंगे। एक सूत्र ने बताया, जोया ने आखिरकार ऐसा ड्राफ्ट तय कर लिया है जिससे वह संतुष्ट हैं। उनका हमेशा से यही कहना था कि जिंदगी ना मिलेगी दोबारा का सीक्वल तभी बनेगा जब उसमें कुछ नया कहने को होगा। यह पुरानी यादों को ताजा करने वाली फिल्म नहीं है; फिल्म बीते समय और तीनों पुरुषों की जिंदगी में आए बदलावों को दर्शाती है।जिंदगी न मिलेगी दोबारा 2 पर अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि मूल कलाकारों के साथ बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा, तीनों कलाकारों को वापस लाने का इरादा है, लेकिन यह सब तारीखों के तालमेल पर निर्भर करता है। अगर सबकुछ ठीक रहा तो दहाड़ 2 की शूटिंग के बाद, सीक्वल पर इस साल के अंत तक काम शुरू हो जाएगा। अब देखना होगा कि निर्माता आधिकारिक ऐलान कब करते हैं।

तू या मैं में विजय नांबियार के साथ काम करना मेरे करियर का सबसे खास अनुभव रहा : पारुल गुलाटी

हिंदी सिनेमा में हर कलाकार के करियर में कुछ ऐसे प्रोजेक्ट आते हैं, जो उनके सीख और आत्मविश्वास का जरिया बन जाते हैं। अभिनेत्री पारुल गुलाटी के लिए उनकी आने वाली फिल्म तू या मैं कुछ ऐसा ही प्रोजेक्ट है। इस फिल्म के जरिए उन्हें मशहूर निर्देशक विजय नांबियार के साथ काम करने का मौका मिला है। इसको लेकर पारुल का कहना है कि यह फिल्म उनके करियर का सबसे खास अनुभव है।इस सफर ने उन्हें एक कलाकार के रूप में और मजबूत बनाया है। फिल्म को लेकर अपने अनुभव साझा करते हुए पारुल गुलाटी ने कहा, विजय नांबियार के साथ काम करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा रहा। मैं पहले से ही उनके काम की बड़ी प्रशंसक रही हूं। उनकी फिल्मों में कहानी कहने का तरीका, किरदारों की गहराई और फिल्म का माहौल ऐसा होता है कि फिल्म खत्म होने के बाद भी उसका असर मन पर बना रहता है। ऐसे निर्देशक के साथ काम करना सम्मान की बात है। पारुल ने कहा, जिस निर्देशक के काम को आप सालों से देखते और पसंद करते आए हों, उसी के निर्देशन में कैमरे के सामने खड़ा होना बहुत खास एहसास देता है। तू या मैं ने मुझे यही मौका दिया। इस फिल्म ने उन्हें भावनात्मक, मानसिक और अभिनय के स्तर पर खुद को और बेहतर समझने का अवसर दिया। यह फिल्म मेरे करियर की सबसे खास है। इस फिल्म में पारुल गुलाटी के साथ आदर्श गौरव और शनाया कपूर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। अपने सह-कलाकारों के बारे में बात करते हुए पारुल ने कहा, उनके साथ काम करना इस सफर को और भी खूबसूरत बनाता है। आदर्श गौरव बेहद ईमानदार और मेहनती अभिनेता हैं। वह हर सीन में पूरी सच्चाई के साथ काम करते हैं। वहीं शनाया कपूर सेट पर नई ताजगी लेकर आती हैं। उनमें सीखने की काफी लगन है।

अर्जुन सरजा की फिल्म सीता पयानम का ट्रेलर जारी,14 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी

एक्शन किंग अर्जुन अपनी बैनर श्री राम फिल्म्स इंटरनेशनल के तहत बनी फिल्म सीता पयानम से डायरेक्टर की कुर्सी पर वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म से उनकी बेटी ऐश्वर्या अर्जुन डेब्यू कर रही हैं, जिसमें निरंजन, सत्यराज, प्रकाश राज और कोवई सरला जैसे शानदार कलाकार भी हैं। अर्जुन खुद एक अहम कैमियो में नज़र आएंगे, जबकि उनके भतीजे, एक्शन प्रिंस ध्रुव सरजा एक स्पेशल अपीयरेंस से एक्साइटमेंट बढ़ाएंगे। यह फिल्म 14 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी, और मेकर्स ने अभी-अभी इसका थिएट्रिकल ट्रेलर रिलीज़ किया है।कहानी एक युवा शेफ के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे उसके बहुत ज़्यादा प्रोटेक्टिव पिता ने पाला है। एक लंबी ड्राइव के दौरान, वह अनिच्छा से एक अजनबी को लिफ्ट देती है - इस शर्त पर कि उसे आने वाली हर फ़ोन कॉल लाउडस्पीकर पर होगी। जो सफ़र एक हल्की-फुल्की यात्रा के रूप में शुरू होता है, वह धीरे-धीरे एक गहरा मोड़ लेता है, जिससे एक अप्रत्याशित ट्विस्ट आता है।अर्जुन का अनुभव उनकी राइटिंग और डायरेक्शन दोनों में साफ़ दिखता है। ताज़ा कहानी, साफ़-सुथरी कहानी कहने का तरीका और उनका दमदार स्पेशल अपीयरेंस सबसे अलग हैं। निरंजन ने मेल लीड के तौर पर शानदार डेब्यू किया है, जबकि ऐश्वर्या अर्जुन आकर्षक दिखती हैं और एक आत्मविश्वासी, मैच्योर परफॉर्मेंस देती हैं।

गंदे मैले पायदान को बिना धोए साफ करने का आसान तरीका, इस ट्रिक से निकल जाएगी पूरी गंदगी

घर को साफ सुथरा बनाने के लिए और बाहर की गंदगी को घर में न आने देने के लिए पायदान का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन अगर पायदान ही गंदा हो जाए तो उससे पूरे घर में गंदगी फैलने लगती है। जूता चप्पल में फंसी गंदगी डोरमैट्स पर जमा होने लगती है। जिससे धूल और गंदगी घर के अंदर आने लगती है। बाथरूम के बाहर लोग पानी को रोकने और गीलेपन से बचने के लिए पायदान का इस्तेमाल करते हैं लेकिन पायदान गंदा होने पर बाथरूम तो गंदा होता ही है साथ ही घर भी गंदा हो जाता है। ऐसे में पायदान को साफ करना बहुत जरूरी है। अच्छी धुलाई करके ही पायदान को साफ किया जा सकता है। लेकिन हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बता रहे हैं जिससे गंदे पायदान को बिना धोए भी आप क्लीन कर सकते हैं। जानिए बिना वॉश किए पायदान को साफ करने का ये आसान तरीका।

पायदान साफ करने की ट्रिक

वैक्यूम क्लीनर का उपयोग- घर की सफाई में लोग आजकल वैक्यूम क्लीनर का इस्तेमाल करने लगे हैं। जैसे आप कालीन और मैट्स को क्लीन करते हैं वैसे ही मोटे हैवी पायदान को भी वैक्यूम क्लीनर से क्लीन किया जा सकता है। वैक्यूम क्लीनर से पायदान में लगी धूल-मिट्टी और गंदगी निकल जाएगी। आपको काफी दिनों तक पायदान को धोने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

ब्रश का उपयोग करें- गंदे पायदान को कपड़ा धोने वाले ब्रश से आसानी से क्लीन किया जा सकता है। इसके लिए पहले पायदान को झाड़कर उसमें जमा धूल मिट्टी को साफ कर लें। अब कपड़ा धोने वाले किसी पुराने ब्रश से पायदान को घिसते हुए साफ करें। ध्यान रखें गीला नहीं बल्कि सूखा ही रगड़ना है। इससे पायदान में फंसी गंदगी, बाल और मिट्टी निकल जाएगी। इससे बिना धोए ही पायदान साफ हो जाएगा।

ड्राई क्लीनिंग से साफ करें- पायदान को घर पर आसानी से ड्राई क्लीन किया जा सकता है। इसके लिए गुनगुना पानी लें और उसमें थोड़ी फिटकरी डाल कर घोल सें। इसमें 2 ढक्कन शैंपू डालें और मिक्स कर लें। इसे किसी बोतल में डालें। अब एक साफ सूती कपड़ा लें और उस पर स्प्रे डालें। इस कपड़े से पायदान को साफ करें। इससे पायदान पर जमा गंदगी साफ हो जाएगी। इसके बाद पायदान को थोड़ी देर धूप में सुखा दें। इससे गंदगी निकल जाएगी।

सेब में छुपा ग्लोइंग स्किन, तेज दिमाग और मजबूत दिल का राज, फायदे जानकर हो जाएंगे हैरान

सेब ऐसा फल है जिसे आप रोज खाएं तो आपको जल्दी डॉक्टर के पास जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, क्योंकि इसमें विटामिन, मिनरल्स, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं। सबसे पहले बात करते हैं पाचन की, तो सेब में मौजूद पेक्टिन नाम का घुलनशील फाइबर आंतों की सफाई करता है, पाचन को मजबूत बनाता है और कब्ज, गैस जैसी दिक्कतों से राहत देता है। जो लोग अक्सर पेट खराब या अनियमित पाचन से परेशान रहते हैं, उनके लिए सेब काफी फायदेमंद माना जाता है। दिल के लिए भी यह फल एक तरह से ढाल का काम करता है, क्योंकि इसमें मौजूद फाइबर खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है और ब्लड फ्लो को बेहतर बनाए रखता है। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम कम हो सकता है। वजन घटाने में भी ये काफी फायदेमंद होता है। सेब कम कैलोरी वाला है और इसे खाने से पेट देर तक भरा रहता है, जिससे बार-बार खाने की आदत नियंत्रित होती है। जो लोग वेट लॉस डाइट कर रहे हों, उनके लिए यह एक बढ़िया विकल्प है। सेब ब्लड शुगर को भी धीरे-धीरे बढ़ाता है, इसलिए डायबिटीज वाले लोग इसे सीमित मात्रा में खा सकते हैं। यह उनकी भूख को शांत रखता है और ऊर्जा भी देता है।

दिमाग के लिए भी यह फल कमाल का माना जाता है, क्योंकि इसके एंटीऑक्सीडेंट दिमाग की कोशिकाओं को नुकसान से बचाते हैं और याददाश्त में सुधार करने में मदद करते हैं। त्वचा और बालों की बात करें तो सेब में मौजूद विटामिन सी स्किन को ग्लो देता है, झुर्रियां कम करता है और हेयर फॉल को कंट्रोल करने में भी मददगार माना जाता है।

इसके नियमित सेवन से इम्युनिटी भी बढ़ती है, जिससे शरीर संक्रमणों से बेहतर तरीके से लड़ पाता है। सेब को छिलके सहित खाना ज्यादा बेहतर माना जाता है, क्योंकि फाइबर का ज्यादातर हिस्सा छिलके में ही होता है। दिन में एक से दो छोटे या मध्यम आकार के सेब आप खा सकते हैं।

ट्रंप का तुगलकी फरमान : महिला नेता का बात करने का तरीका नहीं आया पसंद, गुस्से में बढ़ा दिया टैरिफ

वाशिंगटन (ए.) । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने बेबाक और कई बार चौंकाने वाले फैसलों के लिए जाने जाते हैं। अब उन्होंने स्विट्जरलैंड पर आयात शुल्क (टैरिफ) बढ़ाने के पीछे एक बेहद अजीबोगरीब वजह का खुलासा किया है। ट्रंप ने साफ शब्दों में कहा है कि उन्हें स्विट्जरलैंड की महिला नेता के बात करने का लहजा बिल्कुल पसंद नहीं आया। महिला नेता फोन पर लगातार छोटा देश होने की दुहाई दे रही थीं, जिससे नाराज होकर अमेरिकी राष्ट्रपति ने टैक्स में राहत देने के बजाय उसे और बढ़ा दिया।

फोन नहीं रख रही थीं महिला नेता, बार-बार दी दलील

फॉक्स न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में ट्रंप ने स्विस फेडरल काउंसिल की सदस्य कैरिन कैलर सटर के साथ हुई अपनी फोन कॉल का जिक्र किया। ट्रंप ने बताया कि उन्होंने स्विट्जरलैंड पर पहले 30 फीसदी टैरिफ लगाया था, जो उनके हिसाब से काफी कम था। इसके बाद उन्हें स्विट्जरलैंड से एक कॉल आया। ट्रंप को लगा कि वह वहां की प्रधानमंत्री थीं। बातचीत के दौरान महिला नेता काफी आक्रामक थीं, हालांकि वे बात तमीज से कर रही थीं। उन्होंने बार-बार ट्रंप से कहा कि 'सर हम एक बहुत छोटा देश हैं, हम इतना बोझ नहीं उठा पाएंगे, हम ऐसा नहीं कर सकते।' ट्रंप ने बताया कि वह फोन रखने को तैयार ही नहीं थीं और लगातार बहस कर रही थीं।

गुस्सा आया तो सजा के तौर पर बढ़ा दिया टैक्स

ट्रंप ने साक्षात्कार में कहा कि महिला नेता की एक ही रट और बात करने का तरीका उन्हें नागवार गुजरा। वह बार-बार कह रही थीं कि हम छोटे देश हैं, लेकिन ट्रंप ने उन्हें याद दिलाया कि छोटा देश होने के बावजूद अमेरिका के साथ उनका 42 बिलियन डॉलर का ट्रेड डेफिसिट (व्यापार घाटा) है। ट्रंप ने कहा कि उनका बात करने का अंदाज मुझे बिल्कुल अच्छा नहीं लगा। ऐसे में उन्हें रियायत देने के बजाय, मैंने सजा के तौर पर टैरिफ को 30 प्रतिशत से बढ़ाकर सीधा 39 प्रतिशत कर दिया। ट्रंप ने दावा किया कि स्विट्जरलैंड अपना सामान अमेरिका निर्यात कर रहा था, लेकिन बदले में कोई भी टैरिफ नहीं दे रहा था।

दावोस में भी किया था जिक्र, पद को लेकर कंफ्यूज दिखे ट्रंप

इससे पहले दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में भी ट्रंप ने इस वाकये का जिक्र किया था। वहां भी उन्होंने कहा था कि एक महिला, जो शायद राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री थीं, बार-बार कह रही थीं कि आप ऐसा नहीं कर सकते। हालांकि, यहां गौर करने वाली बात यह है कि स्विट्जरलैंड की शासन प्रणाली अलग है। वहां कोई एक प्रधानमंत्री या राष्टपति नहीं होता, बल्कि सरकार का संचालन सात सदस्यों वाली एक फेडरल काउंसिल करती है। ट्रंप जिसे प्रधानमंत्री समझ रहे थे, वह दरअसल काउंसिल की सदस्य थीं।

पीओके और अक्साई चिन पर अमेरिका का यू-टर्न, पहले बताया था भारत का हिस्सा; अब डिलीट की पोस्ट

वॉशिंगटन (ए.) । अमेरिका ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) और अक्साई चिन को लेकर सामने आए एक सोशल मीडिया पोस्ट के बाद अपना रुख स्पष्ट किया है। भारत-अमेरिका ट्रेड डील के ऐलान के बाद अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भारत का एक नक्शा साझा किया था। इस नक्शे में जम्मू-कश्मीर का पूरा क्षेत्र, जिसमें पीओके भी शामिल है, साथ ही चीन के नियंत्रण वाले अक्साई चिन को भारत का हिस्सा दिखाया गया था। हालांकि बाद में यूएसटीआर ने यह पोस्ट हटा ली।

ट्रेड डील की घोषणा के बाद साझा किए गए इस नक्शे को लेकर कूटनीतिक हलकों में चर्चा शुरू हो गई थी। नक्शे में जम्मू-कश्मीर के संपूर्ण क्षेत्र को भारत का अभिन्न हिस्सा दर्शाया गया था। साथ ही अक्साई चिन, जिस पर चीन नियंत्रण रखता है और दावा करता है, उसे भी भारतीय क्षेत्र के रूप में दिखाया गया था। नई दिल्ली लगातार यह दोहराती रही है कि जम्मू-कश्मीर का पूरा केंद्र शासित प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है।

कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में एक स्कूल में ताबड़तोड़ फायरिंग, 9 लोगों की मौत; शूटर भी ढेर

टोरंटो (ए.) । कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में हुई एक सामूहिक गोलीबारी में हमलावर समेत कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई है और कई लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, यह घटना मंगलवार (स्थानीय समय) को ब्रिटिश कोलंबिया के टंबलर रिज स्थित एक स्कूल में हुई। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) के मुताबिक, हाई स्कूल के अंदर छह लोग मृत पाए गए। एक अन्य व्यक्ति की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। पुलिस के अनुसार संदिग्ध हमलावर भी मृत पाया गया। पुलिस का कहना है कि उसकी मौत खुद को पहुंचाई गई चोट के कारण हुई। यह जानकारी कनाडा के प्रमुख मीडिया संस्थान सीबीसी ने दी है।इसके अलावा, एक घर से भी दो लोगों के शव मिले हैं। पुलिस का मानना है कि इस घर का संबंध इसी गोलीबारी की घटना से है। घटना में घायल सभी लोगों को प्राथमिक उपचार देने के बाद अस्पताल भेज दिया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। एमएलए लैरी न्यूफेल्ड ने इस घटना पर गहरा दुख जताया है। एक्स पर एक पोस्ट में, उन्होंने कहा, टंबलर रिज सेकेंडरी स्कूल में हुई दुखद और बहुत परेशान करने वाली घटना के बाद मैं टंबलर रिज की स्थिति पर करीब से नजर रख रहा हूं। उन्होंने बताया कि पुलिस ने कन्फर्म किया है कि कई लोग मारे गए हैं। उन्होंने आगे बताया कि एक्टिव शूटर अलर्ट हटा लिया गया है, लेकिन जांच जारी है।न्यूफेल्ड ने आगे कहा, मैं फर्स्ट् रेस्पॉन्डर्स, स्कूल स्टाफ और लोकल अधिकारियों को इस बहुत मुश्किल हालात में उनके तेज़ और प्रोफेशनल रिस्पॉन्स के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मेरी दुआएं स्टूडेंट्स, परिवारों, टीचर्स और पूरी टम्बलर रिज कम्युनिटी के साथ हैं। यह एक छोटा और आपस में जुड़ा हुआ शहर है, जहां इस तरह की घटना का असर हर कोई महसूस करता है।उन्होंने आगे कहा, जिन लोगों पर असर पड़ा है, उनके सम्मान में, यह ज़रूरी है कि हम पुलिस को अपनी जांच पूरी करने और डिटेल्स कन्फर्म करने के लिए ज़रूरी समय दें। जैसे ही वेरिफाइड जानकारी मिलेगी, मैं उसे शेयर करता रहूंगा। एमएलए ने यह भी कहा कि अगर घटना के बाद किसी को मानसिक या भावनात्मक कठिनाई महसूस हो रही है तो वे उनसे संपर्क कर सकते हैं। इस बीच पुलिस ने कहा है कि गोलीबारी के कारणों की जांच अभी चल रही है। संदिग्ध के बारे में फिलहाल कोई अतिरिक्त जानकारी जारी नहीं की गई है।

एपस्टीन फाइलस की फोटो, वीडियो वायरल होने के बाद ट्रंप प्रशासन ने दी सफाई, बताई अंदर की बात

वाशिंगटन,(ए.) । व्हाइट हाउस ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जेफ्री एपस्टीन से पुराने संबंधों को लेकर उठ रहे सवालों पर जवाब दिया है। साथ ही प्रशासन ने कॉमर्स सेक्रेटरी हॉवर्ड लटनिक के प्रति अपना पूरा समर्थन जताया है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि ट्रंप ने बहुत पहले ही एपस्टीन से दूरी बना ली थी। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति हमेशा अपने बयान पर कायम रहे हैं। उन्होंने जेफ्री एपस्टीन को अपने मार-ए-लागो क्लब से बाहर निकाल दिया था, क्योंकि सच कहें तो एपस्टीन का व्यवहार ठीक नहीं था।

लेविट ने यह भी कहा कि ट्रंप ने कई साल पहले ही एपस्टीन से अपने संबंध पूरी तरह खत्म कर लिए थे और इस बारे में वह लंबे समय से खुलकर और साफ तरीके से बात करते रहे हैं। हाल ही में कुछ नए दस्तावेज सामने आए हैं, जिनमें 2000 के शुरुआती वर्षों में ट्रंप और पाम बीच के पुलिस प्रमुख के बीच हुई एक कथित बातचीत का जिक्र है। इस पर लेविट ने कहा कि यह एक फोन कॉल थी, जो हो भी सकती है और नहीं भी।

अमेरिकी वाणिज्य मंत्री ने जेफ्री एपस्टीन के द्वीप पर लंच की बात स्वीकारी, बढ़ा इस्तीफे का दबाव

न्यूयॉर्क ,(ए.) । अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने स्वीकार किया कि उन्होंने वर्ष 2012 में जेफ्री एपस्टीन के द्वीप पर अपने परिवार के साथ लंच किया था। यह स्वीकारोक्ति उन्होंने मंगलवार को सीनेट की विनियोग उपसमिति की सुनवाई के दौरान दी।लुटनिक ने कहा, मैं पारिवारिक छुट्टी पर वोट से यात्रा कर रहा था। उसी दौरान हमने द्वीप पर रुककर करीब एक घंटे तक लंच किया। यह सच है। हालांकि उन्होंने साफ किया कि उनका एपस्टीन के साथ कोई व्यक्तिगत संबंध नहीं था। उन्होंने कहा, मेरा उस व्यक्ति से कोई रिश्ता नहीं था। मेरा उससे बहुत कम संपर्क था। इससे पहले लुटनिक कह चुके थे कि उन्होंने 2005 में ही एपस्टीन से सभी संबंध तोड़ लिए थे। लेकिन जनवरी में अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा

जारी ताजा एपस्टीन फाइलों से संकेत मिला कि दोनों के बीच बाद के वर्षों में भी संपर्क बना रहा। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, 2014 तक दोनों के बीच कारोबारी लेन-देन भी था।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, इस खुलासे के बाद लुटनिक पर इस्तीफा देने का दबाव बढ़ गया है। डेमोक्रेट्स के साथ-साथ कुछ रिपब्लिकन नेता भी उनसे पद छोड़ने की मांग कर रहे हैं।

जेफ्री एपस्टीन ने 2008 में नाबालिग से वेश्यावृत्ति कराने के राज्य स्तरीय आरोप में दोष स्वीकार किया था। जुलाई 2019 में उसे संघीय स्तर पर सेक्स ट्रैफिकिंग के आरोप में दोबारा गिरफ्तार किया गया। हालांकि मुकदमा शुरू होने से पहले ही 10 अगस्त 2019 को जेल में ही रहस्यमयी तरीके से मौत हो गई थी।

इसी साल जनवरी में अमेरिकी न्याय विभाग ने एपस्टीन और गिस्लेन मैक्सवेल से जुड़ी जांच और अभियोजन से संबंधित लाखों रिकॉर्ड जारी करने की प्रक्रिया शुरू की। यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 19 नवंबर 2025 को हस्ताक्षरित 'एपस्टीन फाइल्स ट्रांसपेरेंसी एक्ट' के तहत उठाया गया।

खेल समाचार

टी20 विश्व कप : पाकिस्तान का अपने तेज गेंदबाजों से उठा भरोसा, 20 में 16 ओवर स्पिनर्स ने फेंके

कोलंबो(ए.)। टी20 विश्व कप 2026 में मंगलवार को कोलंबो में पाकिस्तान और यूएसए के बीच मैच खेला गया। पाकिस्तान ने इस मैच में 32 रन से जीत दर्ज की। पाकिस्तान की इस जीत में उनके स्पिनरों की अहम भूमिका रही। पारी की 80 प्रतिशत गेंदें स्पिनरों ने ही फेंकी।

जब यूएसए की पारी शुरू हुई, तो उम्मीद थी कि पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा कुछ ओवर तेज गेंदबाजों से भी कराएंगे, लेकिन शाहीन अफरीदी को छोड़कर आगा किसी भी तेज गेंदबाज की तरफ नहीं गए। 20 ओवर में शाहीन ने 4 ओवर फेंके। इसके अलावा बाकी के सभी 16 ओवर पाकिस्तान के कप्तान ने स्पिनरों से कराए और इसका परिणाम भी उन्हें जीत के रूप में मिला।

पाकिस्तान के स्पिनरों सईम अयूब ने 1, अबरार अहमद ने 4, मोहम्मद नवाज ने 3, शादाब खान ने 4 और उस्मान तारिक ने 4 सहित कुल 16 ओवर की गेंदबाजी की। टीम में फहीम अशरफ भी थे जो तेज गेंदबाजी करते हैं, लेकिन उन्हें गेंद नहीं दी गई। उस्मान तारिक ने 3, शादाब खान ने 2, और अबरार और नवाज ने 1-1 विकेट लेकर पाकिस्तान को यूएसए के खिलाफ जीत दिलायी।

टी20 में यह दूसरा मौका था जब पाकिस्तान ने सबसे ज्यादा (16 ओवर) स्पिनरों से फेंकवाया। इसके पहले 2012 में कोलंबो में ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पाकिस्तान ने 20 में से 18 ओवर स्पिन गेंदबाजों से करवाए थे।

एक नहीं, दो सुपर ओवर..T20 वर्ल्ड कप इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा; दक्षिण अफ्रीका ने अफगानिस्तान को हराया

नई दिल्ली (ए.)। T20 वर्ल्ड कप 2026 में बुधवार को क्रिकेट प्रेमियों को एक ऐसा मुकाबला देखने को मिला, जिसे सालों तक याद रखा जाएगा। साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान के बीच खेला गया यह मैच केवल रोमांचक ही नहीं, बल्कि ऐतिहासिक रहा। 20-20 ओवर का खेल टाई होने के बाद जब फैसला सुपर ओवर में गया, तो वहां भी दोनों टीमें बराबरी पर छूट गईं। इसके बाद 'डबल सुपर ओवर' यानी दूसरे सुपर ओवर में जाकर मैच का नतीजा निकला। कड़ी मशक्कत और पसीना बहाने के बाद आखिरकार साउथ अफ्रीका ने अफगानिस्तान को हरा दिया और महत्वपूर्ण दो अंक हासिल किए, जबकि अफगानिस्तान को शानदार खेल के बावजूद निराशा हाथ लगी।

रिकल्टन और डिकॉक की तूफानी पारियां, 187 पर टाई हुआ मैच

मैच की शुरुआत में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीका की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट के नुकसान पर 187 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। क्विंटन डिकॉक ने 41 गेंदों पर धमाकेदार अंदाज में 59 रन बनाए, जबकि रियान रिकल्टन ने महज 28 गेंदों पर 61 रनों की आतिशी पारी खेली। अंत में मार्को यानसेन ने 7 गेंदों पर तेजी से 16 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की टीम ने भी गजब का जज्बा दिखाया। टीम 19.4 ओवर में 187 रन बनाकर ऑलआउट हो गई, जिससे मैच टाई हो गया और फैसला सुपर ओवर पर जा टिका।

पहले 18-18 से बराबरी, दूसरे में 24 रन बनाकर जीता अफ्रीका

मैच टाई होने के बाद रोमांच अपने चरम पर पहुंच गया। पहले सुपर ओवर में अफगानिस्तान ने बल्लेबाजी करते हुए 6 गेंदों पर 18 रन बनाए। जवाब में साउथ अफ्रीका ने भी ठीक 18 रन बना दिए, जिसके चलते पहला सुपर ओवर भी टाई हो गया। इसके बाद नियमों के मुताबिक दूसरा सुपर ओवर खेला गया। इस बार साउथ अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी की और 6 गेंदों पर ताबड़तोड़ 24 रन ठोक दिए।

पाकिस्तान के साथ मुकाबले से पहले टीम इंडिया के लिए बुरी खबर, अभिषेक शर्मा हुए अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली(ए.)। टी20-वर्ल्ड कप 2026 में टीम इंडिया के लिए एक चिंताजनक खबर सामने आई है। टीम के स्टार ओपनर अभिषेक शर्मा को पेट में संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ऐसे में 12 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ खेले जाने वाले मुकाबले में उनके खेलने की संभावना बेहद कम नजर आ रही है। यह मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाना है।

7 फरवरी को अमेरिका के खिलाफ खेले गए पहले मैच के दौरान ही अभिषेक की तबीयत खराब होने की खबरें सामने आई थीं। बताया गया था कि तेज बुखार के बावजूद उन्होंने मैच खेला, जिसके बाद उनकी स्थिति और बिगड़ गई।

अमेरिका के खिलाफ मुकाबले में अभिषेक गोल्डन डक पर आउट हो गए थे। बल्लेबाजी के बाद वह टीम इंडिया के डगआउट में भी नजर नहीं आए। उनकी जगह संजू सैमसन ने फील्डिंग की थी। अभिषेक के अलावा जसप्रीत बुमराह भी अस्वस्थ थे, जबकि वॉशिंगटन सुंदर टीम के साथ मौजूद नहीं थे। खिलाड़ियों की कमी के चलते उस मैच में ड्रिंक्स सर्व करने की जिम्मेदारी कुलदीप यादव और फील्डिंग कोच टी. दिलीप ने संभाली थी। यहां तक कि मैच के बाद अभिषेक हैंडशेक के लिए भी मैदान पर नहीं आए थे।10 फरवरी को आयोजित टीम इंडिया के प्रैक्टिस सेशन में भी अभिषेक शर्मा नजर नहीं आए। टीम मैनेजमेंट ने उनकी गैरमौजूदगी की वजह पेट की परेशानी बताई थी।

हसरंगा टी20 विश्व कप से बाहर हुए, दुशान हेमंथा को मिल सकती है जगह

कोलंबो (ए.)। श्रीलंका के रहस्यमयी स्पिनर वानिंदु हसरंगा हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण टी20 विश्व कप 2026 से बाहर हो गये हैं। हसरंगा जैसे बेहतरीन गेंदबाज का इस प्रकार टूर्नामेंट से बाहर होना सह-मेजबान श्रीलंका के लिए करारा झटका है। हसरंगा को कोलंबो में रविवार को आयरलैंड के खिलाफ हुए मैच के दौरान चोट लगी थी और एमआरआई स्कैन जांच के बाद ये पाया गया कि वह अब आगे नहीं खेल पायेंगे क्योंकि उनकी चोट गंभीर है। इंग्लैंड के एक विशेषज्ञ ने रिपोर्ट देखने के बाद उन्हें टी20 विश्व कप से बाहर होने की सलाह दी। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार अब हसरंगा चार सप्ताह तक क्रिकेट से दूर रहेंगे। हसरंगा की कमी पूरी करना लंकाई टीम के लिए संभव नहीं है। वह एक मैच विजेत गेंदबाज होने के साथ ही निचले क्रम में एक उपयोगी बल्लेबाज भी हैं।

आयरलैंड के खिलाफ ग्रुप स्तर के पहले ही मैच में हसरंगा ने टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी और 4 ओवर में 25 रन देकर 3 विकेट लिए थे। हसरंगा की जगह अब टीम में लेगस्पिनर दुशान हेमंथा को शामिल किये जाने की संभावना है। हेमंथा ने श्रीलंका की ओर से अब तक 5 एकदिवसीय और तीन टी20 खेले हैं, जिसमें उन्होंने 6 विकेट लिए हैं। श्रीलंका को दूसरा ग्रुप मैच 12 फरवरी को ओमान से खेलना है। इसके बाद 16 फरवरी को उसे पल्लेकेले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ और अंत में 19 फरवरी को कोलंबो में जिम्बाब्वे से खेलना है।

टी20 वर्ल्ड कप बॉयकॉट पर बांग्लादेश का यू-टर्नः खेल सलाहकार बोले- सरकार नहीं, खिलाड़ियों ने खुद किया देश के लिए बलिदान

ढाका (ए.)। भारत में आयोजित टी20 वर्ल्ड कप में 'सुरक्षा कारणों' का हवाला देकर खेलने से इनकार करने वाले बांग्लादेश ने अब एक नया और चौंकाने वाला दावा किया है। आईसीसी की तमाम कोशिशों और मनाने के बावजूद जब बांग्लादेश ने टीम भेजने से मना कर दिया था, तो उनकी जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल किया गया था। उस समय यह माना जा रहा था कि यह फैसला पूरी तरह से बांग्लादेश सरकार का था, लेकिन अब बांग्लादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने इस मामले में बड़ा खुलासा करते हुए अपने ही पुराने बयान से यू-टर्न ले लिया है।

'खिलाड़ियों और बोर्ड ने दी कुर्बानी'

आसिफ नजरुल ने मंगलवार को रिपोर्टर्स से बातचीत करते हुए कहा कि वर्ल्ड कप का बॉयकॉट करने का फैसला सरकार का नहीं, बल्कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) और उनके खिलाड़ियों का निजी फैसला था। उन्होंने दावा किया कि खिलाड़ियों ने देश के क्रिकेट की सुरक्षा, लोगों की सुरक्षा और 'राष्ट्रीय सम्मान की रक्षा' के लिए अपने वर्ल्ड कप खेलने के सपने का 'बलिदान' दिया है। नजरुल ने जोर देकर कहा कि वर्ल्ड कप में न खेलने का उन्हें कोई मलाल या अफसोस नहीं है।

नामीबिया के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय क्रिकेट टीम गुरूवार को नामीबिया के खिलाफ ग्रुप ए के टी20 विश्वकप मुकाबले में बड़ी जीत के साथ ही लय हासिल करने उतरेगी। भारतीय टीम को अपने पहले ही मैच में अमेरिका के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा था। वहीं इस मैच में उसका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर आसान जीत हासिल करना रहेगा। इस बार कमजोर टीमों ने भी सभी को हैरान किया है इसलिए भारतीय इस मुकाबले को हल्के में नहीं लेगी। भारतीय टीम को इसके बाद पाकिस्तान से भी खेलना है। ऐसे में इस मैच से उसे अभ्यास को भी अच्छा अवसर मिलेगा।

भारतीय टीम को पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ कप्तान सूर्यकुमार यादव की पारी से जीत मिली थी पर इस मैच में सभी अन्य बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना पड़ेगा। भारतीय टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की तबियत ठीक नहीं है और इस कारण वह इस मैच में नहीं खेलेंगे। ऐसे में ईशान किशन और संजू सैमसन पारी की शुरआत कर सकते हैं। इसस मैच में रिंकू सिंह और अक्षर पटेल को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

गेंदबाजी में भी भारतीय टीम को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की इस मैच में वापसी तय है। ऐसे में अलावा मोहम्मद सिराज या अर्शदीप सिंह में से किसी को बाहर बैठना होगा। वहीं दूसरी ओर नामीबिया को शुरू से ही आक्रामक होना होगा और स्ट्राइक रोटेट करनी होगी, और ऐसी साझेदारी बनानी होगी जिससे वे एक बड़ा स्कोर बना सकें या उसका पीछा कर सकें। उनके गेंदबाजों के लिए भारतीय बल्लेबाजों को रोकना बेहद कठिन हरेगा।

भारत अंतिम ग्यारह

सूर्यकुमार यादव (कप्तान),इशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती।

रामजीबाबा मेला : सांस्कृतिक विरासत का ब्रह्द स्वरूप

-कई खूबियों से सराबोर रहता है नर्मदांचल का रामजी बाबा मेला
-नपाध्यक्ष और विधायक प्रतिनिधि की सकारात्मक रूचि ने मेला को दिया भव्यता का स्वरूप

बलराम शर्मा

नर्मदापुरम। संत शिरोमणी रामजीबाबा की याद में संभाग मुख्यालय पर लगने वाला मेला सांस्कृतिक विरासत का ब्रहद स्वरूप लिए होता है। इस मेला की अनेक खूबियां है। मेला का आयोजन नगर पालिका की देखरेख में होने से तथा स्वतंत्र ईकाई होने से मेला कई यादें छोड़ जाता है। मेले में लगने वाली दुकानों से नपा को आर्थिक लाभ भी मिलता है। मेले के आयोजन के दौरान जो भी अध्यक्ष होता है उसके जीवन के लिए मेला यादगार रहता है। क्योंकि अध्यक्ष तो हर पांच साल में बदल जाते हैं। मेला का स्वरूप कितना अच्छा हो यह अध्यक्ष की सोच पर निर्भर करता है। इस बार का मेला अनेक मामलों में कुछ खास कहा जा सकता है। इसमें नगर पालिका की अध्यक्ष नीतू यादव व उनके पति विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव की मेला के प्रति जो सकारात्मक रूचि रही उससे मेला में भव्यता देखने को मिली। इतने बड़े आयोजन में कुछ छोटी मोटी त्रुटियां होना स्वाभाविक है। भारतीय संस्कृति में मेला के आयोजन प्राचीन विरासत को सहजना है। मेले के माध्यम से जहां भारतीय संस्कृति और सभ्यता की तस्वीरें सामने आती हैं। वहीं हमारी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में भी मेलों की अहम भूमिका रहती है। रामजी बाबा मेला प्राचीन काल से लगते आ रहा है। जिसमें कई अपडेट होते रहते हैं।

मेला कला संस्कृति और विरासत का अद्भुत संगम

रामजीबाबा मेला में कला संस्कृति और विरासत का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। जैसे यहां पर रंगमंच से जो नियमित कार्यक्रम होते हैं उनमें कलाकारों को अच्छा मौका मिलता है। भजन संध्या, आर्केष्ट्रा, लाफ्टर शो, म्यूजिक बैंड़ कवि सम्मेलन जैसे अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति से दर्शकों का अच्छा खासा मनोरंजन हो जाता है। इसके अलावा बैलगाड़ी दौड़, कबड्डी प्रतियोगिता, और राज्य स्तरीय दंगल जैसे आयोजन की दर्शकों को वर्ष भर प्रतीक्षा रहती है। बिना बुलाए हजारों की संख्या में दर्शक आते हैं। ऐसे आयोजन नपा की एक अलग ही छाप छोड़ते हैं। फिर उनमें नेता आएं चाहें नहीं आए दर्शक जरूर आते हैं। जो भरपूर आनंद लेते हैं। अलग अलग स्थानों पर आयोजन होना भी इस मेला की एक खूबी है।

मेले की अवधि बढ़ी चाहिए

जब इतना व्यवस्थित मेला का आयोजन होता है। इसमें कुछ खामियां जो रह जाती है उसकी समीक्षा जरूर होना चाहिए जिसमें आागामी समय के मेले में गंभीरता पूर्वक सुधार भी करना चाहिए। नगरवासी और मेला में आने वाले दुकानदारों की एक ही यही अपेक्षा रहती है कि मेला की अवधि बढ़ाई जानी चाहिए। अधिकांश लोगों की यही मांग हौं मेला को मां नर्मदा प्रकटोत्सव के दिन से शुरू करके महाशिवरात्री तक करना चाहिए।

जिले में अनेक प्रसिद्ध मेले

भाग्यशाली नर्मदापुरम जिले में प्राचीन काल से मेले के भव्य आयोजन होते रहे हैं। यह मेले नर्मदांचल की प्रसिद्ध सांस्कृतिक विरासत को समेटने वाले मेले हैं। जिनमें बांद्राभान का मेला, रामजीबाबा मेला, पचमढ़ी का मेला, तिलक सिंदूर का मेला, भीलट देव का मेला, तथा माखन नगर का मेला सहित अन्य अनेक छोटे मेले के आयोजन जिले में होते रहते हैं। जिनमें करोड़ों का कारोबार हो जाता है।

जनगणना दो चरणों में संपादित की जाएगी

नर्मदापुरम जिले में 10 तहसील 08 नगर एवं 987 गांव में की जाएगी जनगणना

नर्मदापुरम (निप्र)। भारत शासन ने 16 जून 2025 को जनगणना का नोटिफिकेशन जारी किया है। मध्य प्रदेश शासन द्वारा अधिसूचना का पुन: प्रकाशन दिनांक 11 जुलाई 2025 को किया गया है। जनगणना संविधान का अनुच्छेद 246, जनगणना अधिनियम 1948 एवं जनगणना नियम 1990 के अंतर्गत की जाएगी। जनगणना के लिए प्रगणक घर-घर जाकर निर्धारित बिंदुओं पर सभी आम नागरिकों से जानकारी मांगेंगे, हर व्यक्ति अपनी जानकारी देने के लिए बाध्य होगा। सभी नागरिकों की जानकारी गोपनीय रखी जाएगी एवं किसी तीसरे पक्ष के द्वारा मांगने पर भी उन्हें उस संबंधित व्यक्ति की जानकारी नहीं दी जाएगी। उक्त जानकारी बुधवार को आयोजित जिला जनगणना समन्वयक समिति की बैठक में जनगणना डिपार्मेंट भोपाल से आई जनगणना अधिकारी सुश्री आयुषी यादव ने दी। अपर कलेक्टर एवं नोडल तथा लायजनिंग अधिकारी अनिल जैन की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी यूं एस पठारिया, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी मनीष गुणवान, जिला शिक्षा अधिकारी एल एन प्रजापति, परियोजना अधिकारी जिला शहरी एवं विकास अभिकरण उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि नर्मदा पुरम जिले की 10 तहसील, 08 नगर एवं 987 ग्राम पंचायतों में दो चरणों में जनगणना की जाएगी प्रथम चरण 1 मई 2026 से 30 मई 2026 तक का रहेगा। इस चरण में मकान सूचीकरण और मकान की गणना की जाएगी। द्वितीय चरण 1 मार्च 2027 से प्रारंभ होगा, जिसमें जनसंख्या की गणना की जाएगी। जनगणना का कार्य निर्धारित समय सीमा में किया जाएगा। समय सीमा में किसी भी प्रकार का विस्तार या परिवर्तन नहीं किया जाएगा। बताया गया कि नर्मदा पुरम जिले में जनगणना 2027 के लिए जिला स्तरीय आठ अधिकारी, 18 चार्ज अधिकारी, अनुमानत दो मास्टर ट्रेनर्स, 48 फील्ड ट्रेनर्स, 28 69 प्रगणक रिजर्व सहित एवं 488 पर्यवेक्षक रिजर्व सहित संपादित करेंगे। सभी संबंधित अधिकारी प्रगणक, पर्यवेक्षक एवं मास्टर ट्रेनर्स को पर्याप्त प्रशिक्षण दिया जाएगा। सुश्री आयुषी यादव ने बताया कि जनगणना 2027 में स्व गणना पोर्टल (SE) मोबाइल ऐप(HLO APP) के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया जाएगा। इसी क्रम में मकान सूचीकरण ब्लॉक क्रिएटर(HLBC) वेब पोर्टल के माध्यम से मकान सूचीकरण ब्लॉक का सृजन किया जाएगा। जनगणना प्रबंधन और निगरानी प्रणाली (CMMS) वह पोर्टल के माध्यम से मैनेजमेंट एवं मॉनिटरिंग की जाएगी। डिजिटल जनगणना है तो डिजिटल संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जाएगा।

आज कलश यात्रा निकाली जाएगी

नर्मदापुरम (निप्र)। दादाजी धूनी वाले के आशीर्वाद से उनके कृपा पात्र शिवानंद गुरुजी के मार्ग दर्शन में आज कलश यात्रा निकाली जाएगी। राम जानकी मंदिर फेपरताल, नर्मदापुरम से दोपहर 2 बजे ै शिव मंदिर गेट नम्बर 3, हरदा रोड पर समापन होगा। आयोजन समिति ने समस्त शिव भक्तों माता बहनों से अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में कलश यात्रा में शामिल हों।

स्वच्छता अभियान में योगदान के लिए मयंक तोमर को किया सम्मानित

नर्मदापुरम (निप्र)। संत शिरोमणि रामजीबाबा मेले के समापन समारोह में स्वच्छता अभियान में उनके निरंतर योगदान के लिए डॉ मयंक तोमर को सम्मानित किया गया। डॉ तोमर एक दशक से अधिक समय से नर्मदापुरम को पॉलीथीन मुक्त और स्वच्छ.हरित शहर बनाने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने नर्मदा घाटों रेलवे स्टेशन और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता अभियान का नेतृत्व भी किया है। इस मौक़े पर नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू महेंद्र यादव तहसीलदार सरिता मालवीय मुख्य नगर पालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले, नगरीय प्रशासन, नगरपालिका नर्मदापुरम द्वारा डॉ तोमर को प्रशस्ति पत्र देते हुए उन्हें सम्मानित किया। सम्मानित होने पर डॉ तोमर ने कहा कि यह हमारा कर्तव्य होना चाहिए कि हम अपनी पवित्र नर्मदापुरम नगरी को पॉलिथीन और प्रदूषण से मुक्त और एक हरित नगर बनाएं। इस सम्मान पर उनके प्रियजनों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

जिले के समस्त निकायों में आवारा श्वानों के प्रबंधन के लिए चरणबद्ध तरीके से तैयार करें कार्ययोजना : कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना

कलेक्टर ने पशु प्रबंधन, पशु उपचार, उन्नत नस्ल विकास, पशु संवर्धन की समीक्षा की

नर्मदापुरम (निप्र)। बुधवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में जिला पशु कल्याण समिति एवं जिला पशु क्रूरता निवारण समिति की संयुक्त बैठक कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में एडिशनल एसपी अभिषेक राजन, उपसंचालक पशुपालन विभाग डॉ. सी.के. दुबे, सिविल सर्जन पशुपालन विभाग डॉ. शैलेंद्र नेमा सहित समिति के शासकीय एवं अशासकीय सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के दौरान कलेक्टर ने डॉग शेल्टर हेतु चिन्हित भूमि पर शीघ्र कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टेंडर प्रक्रिया को तेजी से पूर्ण करते हुए सभी नगरीय निकाय सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन करें तथा निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया के तहत ही कार्य करें। कलेक्टर सुश्री मीना ने श्वानों की स्टरलाइजेशन प्रक्रिया के लिए पशुपालन विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में आवारा श्वानों की समस्या अधिक है, वहां प्राथमिकता से अभियान संचालित किया जाए। परियोजना अधिकारी डूडा को निर्देशित किया गया कि सभी निकायों से डॉग शेल्टर के लिए भूमि चिन्हांकन, प्रस्ताव प्रेषण, कार्य प्रारंभ की स्थिति तथा कार्यक्रम के संचालन हेतु नोडल अधिकारियों की नियुक्ति सहित आवश्यक जानकारी एकत्रित कर प्रस्तुत करें। कलेक्टर ने कहा कि संस्थागत परिसरों में आवारा श्वानों के काटने की घटनाओं की रोकथाम एवं उनका प्रबंधन अत्यंत संवेदनशील विषय है। पशुपालन विभाग, सभी निकायों तथा समिति के सदस्य इस दिशा में विशेष सतर्कता बरतते हुए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें।पशु कल्याण समिति की बैठक में पशुपालन विभाग द्वारा जिले में पशु उपचार, उन्नत नस्ल विकास, पशु संवर्धन सहित अन्य विषयों की विस्तार से समीक्षा की गई तथा

आवश्यक कार्यों को अनुमोदन प्रदान किया गया। जिला पशु क्रूरता निवारण समिति की बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि आवारा श्वानों को पकड़ने की कार्रवाई चरणबद्ध प्रक्रिया के तहत की जाए। उन्होंने कहा कि पशुपालन विभाग के चिकित्सकों के साथ संयुक्त रूप से नोडल अधिकारियों एवं संबंधित कर्मचारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया जाए, ताकि श्वानों को पकड़ने और स्टरलाइजेशन की कार्यवाही सुरक्षित एवं मानक प्रक्रिया के अनुरूप की जा सके।

18 फरवरी को भगवान बिरसा मुंडा शासकीय महाविद्यालय सुखतवा में आयोजित होगा रोजगार मेला

नर्मदापुरम (निप्र)। युवाओं को स्वरोजगार, रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से युवा संगम - रोजगार मेला का आयोजन जिला रोजगार कार्यालय, नर्मदापुरम के तत्वावधान में बुधवार, 18 फरवरी 2026 को किया जायेगा।रोजगार मेला भगवान बिरसा मुंडा शासकीय महाविद्यालय सुखतवा (केसला), जिला-नर्मदापुरम में संपन्न होगा। मेले में शासकीय विभागों के साथ-साथ निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियां एवं संस्थाएं भी भाग लेंगी, जो युवाओं को रोजगार के प्रत्यक्ष अवसर उपलब्ध कराएंगी। इस दौरान मेले में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग सहित विभिन्न विभाग भागीदारी करेंगे।

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार डिप्टी कलेक्टर एवं दल ने किया नशा मुक्ति केन्द्रों का निरीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार डिप्टी कलेक्टर श्रीमती नीता कोरी द्वारा जिले में संचालित नशा मुक्ति केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान इटारसी स्थित नशा मुक्ति केंद्र में 125 व्यक्ति नशामुक्ति के लिए भर्ती पाए गए। उल्लेखनीय है कि गत दिवस कलेक्टर द्वारा आयोजित जिला स्तरीय एनकॉर्ड समिति की बैठक में नशा मुक्ति केंद्रों के नियमित निरीक्षण एवं नशामुक्ति के लिए जनजागरूकता अभियान संचालित किए जाने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों को सम्मिलित करते हुए एक समर्पित टीम गठित करने के निर्देश दिए गए थे। उक्त निर्देशों के अनुपालन में डिप्टी कलेक्टर श्रीमती नीता कोरी के नेतृत्व में गठित टीम ने नर्मदापुरम स्थित नशा मुक्ति केंद्र का भी निरीक्षण किया, जहां 15 व्यक्ति भर्ती पाए गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार भर्ती व्यक्तियों में से लगभग 75 प्रतिशत से अधिक लोग शराब की लत से मुक्ति पाने के लिए केंद्र में उपचार ले रहे हैं, जबकि शेष अन्य नशीले पदार्थों की लत छोड़ने के लिए भर्ती हैं। यह भी बताया गया कि केंद्रों में नर्मदापुरम सहित बैतूल और छिंदवाड़ा जिले के व्यक्ति भी उपचाररत हैं। इस दौरान टीम द्वारा नशा मुक्ति केंद्रों की व्यवस्था, उपचार सहित अन्य सुविधाओं का निरीक्षण कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाने हेतु निर्देशित किया गया।

पचमढ़ी महादेव मेले में भक्ति और आस्था के रंग में सराबोर हुई सतपुड़ा की रानी

पचमढ़ी में परिवहन नियमों को तोड़ने वाले वाहनों पर आर टी ओ की सख्त कार्यवाही

नर्मदापुरम (निप्र) सतपुड़ा की रानी पचमढ़ी इन दिनों भगवान भोलेनाथ की भक्ति में सराबोर है। पचमढ़ी महादेव मेले के छठवें दिन उच्च शिखर पर स्थित चौरागढ़ महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं की निरंतर आमद से पूरा वातावरण शिवमय हो गया। हर भोला, हर हर महादेव के गगनभेदी जयकारों से पर्वत और पचमढ़ी की मनोरम वादियां भक्तिमय हो उठीं हैं। महाशिवरात्रि पर्व के नजदीक आते ही श्रद्धालुओं के उत्साह में विशेष वृद्धि देखने को मिल रही है। दूर-दूर से पहुंचे भक्त ढोल-नगाड़ों के साथ जयकारे लगाते हुए कठिन चढ़ाई पार कर मंदिर तक पहुंच रहे हैं। रात के समय भी दर्शन और पूजा-अर्चना का सिलसिला लगातार जारी है। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं द्वारा भजन-कीर्तन और रात्रि जागरण कर भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए प्रार्थनाएं की जा रही हैं। श्रद्धा और भक्ति का यह अनुपम दृश्य हर किसी को भाव-विभोर कर रहा है। पचमढ़ी के अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों पर भी भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। जटाशंकर, गुप्त महादेव, बड़े महादेव सहित विभिन्न शिवालयों में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का रेला लगा हुआ है। पूरा क्षेत्र आस्था, श्रद्धा और भक्ति का रंग देखने को मिल रहा है।

प्रशासनिक व्यवस्था चाक चौबंद

मेले में प्रशासनिक व्यवस्था चाक चौबंद है। पूरे मेला क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर स्थापित सहायता केंद्र, स्वास्थ्य केंद्र, कंट्रोल रूम खोया पाया केंद्र सहित अन्य श्रद्धालु सहायता केंद्र के माध्यम से भक्तों को निरंतर सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। होमगार्ड एसडीआरएफ एवं पुलिस बल द्वारा आपदा प्रबंधन के तहत घायल, बीमार सहित खोए हुए श्रद्धालुओं की सतत सहायता की जा रही है। मेला समिति द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार चौरागढ़ क्षेत्र में बीमार ताराचंद डेहरिया को तत्काल रूप से नजदीकी मेडिकल कैंप के माध्यम से उपचार प्रदान किया गया इसी प्रकार नागपुर निवासी रोहित को चौरागढ़ मंदिर से दर्शन के बाद सीधी से उतरते समय पैर फिसल जाने के कारण घायल होने पर होमगार्ड जवानों द्वारा त्वरित रूप से मेडिकल कैंप लाकर प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया तत्पश्चात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पचमढ़ी के लिए रवाना किया गया। इसी प्रकार अन्य श्रद्धालुओं को भी आपदा प्रबंधन के तहत हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न कर पड़े।मेले में ड्यूटी रत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए भी प्रशासन द्वारा भोजन की उपयुक्त व्यवस्था की गई है जिसके तहत उन्हें प्राप्त है नाश्ता तदुपरांत दोपहर एवं रात का खाना भी ड्यूटी पॉइंट पर ले जाने के लिए समर्पित टीम को तैनात किया गया है जिससे ड्यूटी में लगे हुए अधिकारी एवं कर्मचारियों को समय पर भोजन प्राप्त हो सके।

वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निरंतर रखी जा रही मेले पर नजर

अधिकारियों द्वारा निरंतर मेले का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया जा रहा है। कलेक्टर के निर्देशानुसार वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निरंतर मेले में भ्रमण कर श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया जा रहा है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन द्वारा पैदल मार्ग से चौरागढ़ मंदिर पहुंचकर निरीक्षण किया गया। इस दौरान एसडीएम पिपरिया आकिप खान भी मौजूद रहे। अपर कलेक्टर राजीव रंजन पांडे द्वारा भी में क्षेत्र का भ्रमण कर स्वास्थ कैंप, सहायता केंद्र एवं मटकुली बैरियर प्वाइंट का निरीक्षण कर मेला के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए।

परिवहन विभाग की सख्त कार्यवाही

पचमढ़ी महादेव मेले में आर टी ओ रिंकु शर्मा, परिवहन निरीक्षक हिमांशु जैन के नेतृत्व में आदित्य मिश्रा द्वारा परिवहन नियमों का पालन ना करने वालों पर, बिना वैध दस्तावेजों के वाहन का परिवहन करने वाले पर लगातार कार्रवाई की जा रही है।

मेला क्षेत्र में चलने वाले वाहनों पर ओवरलोड सवारी ना करने करने के निर्देश, निर्धारित किराया लेने संबंधी निर्देश, बिना मेला परमिट पाए जाने वाले वाहनों को परमिट हेतु प्रतिबंधित करने, दो पहिया चालकों को हेलमेट के साथ यात्रा करने संबधित निर्देश लगातार दिए जा रहे है। अन्य जिलों से आने वाले वाहनों के दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है है।

नारी शक्ति की सुरक्षा सर्वोपरि: राज्यसभा सांसद माया नारोलिया

महिला सशक्तिकरण संबंधी संसदीय समिति की बैठक में राज्यसभा सांसद हुई सम्मिलित

नर्मदापुरम (निप्र)। महिला सशक्तिकरण संबंधी संसदीय समिति की महत्वपूर्ण बैठक में राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रख्यात समाजसेवी और राज्यसभा सांसद श्रीमती सुधा मूर्ति की अध्यक्षता में हुई इस बैठक का मुख्य केंद्र महिलाओं और लड़कियों की तस्करी—पीड़ितों की रोकथाम, सुरक्षा और पुनर्वास जैसा गंभीर विषय रहा।बैठक के दौरान गृह मंत्रालय तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने समिति को देश में मानव तस्करी की वर्तमान स्थिति और इसकी रोकथाम हेतु उठाए जा रहे विधायी व प्रशासनिक कदमों की विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने पीड़ितों की सुरक्षा व्यवस्था, रेस्क्यू ऑपरेशन और उनके सम्मानजनक पुनर्वास के लिए चलाई जा रही सरकारी योजनाओं पर एक प्रभावी प्रस्तुति भी दी।समिति की सदस्य के रूप में श्रीमती माया नारोलिया ने इस संवेदनशील मुद्दे पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि धरातल पर राज्यों के साथ समन्वय और जन-जागरूकता कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाना अनिवार्य है।

कार्यालय अधीक्षक सब जेल पिपरिया जिला नर्मदापुरम (म0प्र0)

क्रं./149/निर्वाह/2026 — पिपरिया दिनांक 09/02/2026

ई-टेण्डरिंग निविदा वित्तीय वर्ष 2026-27

Email-upjailpipariya@gmail.com

Telephone Number- 7974835549

ई-निविदा सूचना (द्वितीय आमंत्रण)

समय सारणी

म0प्र0 जेल पूर्ति नियम 1968 एवं म0प्र0 भण्डार क्रय नियम के अंतर्गत (फार्म (अ) नियम 6 देखिये)

समस्त पंजीकृत एवं प्रतिष्ठित व्यापारियों को सूचित किया जाता है कि सब जेल पिपरिया में परिरूद्ध बंदियों के लिये वर्ष 2026-27 में खाद्यान्न, सब्जी, स्वच्छता एवं दवाईयों के क्रय हेतु वार्षिक निविदायें ई-टेण्डरिंग के माध्यम से वेबसाईट http//www.mptenders.gov.in पर दिनांक 22.03.2026 को सायंकाल 5.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इच्छुक व्यापारीगण संबंधित जेल की वेबसाईट पर जाकर निविदा की सूचना प्राप्त कर सकते है।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाईट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य शर्तो से संबंधित जानकारी उक्त वेबसाईट पर ही देखी जा सकेगी।

जी/25713/25

जेल अधीक्षक
सब जेल पिपरिया
जिला नर्मदापुरम (म0प्र0)

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com